

DPN 6216

Title : विभिन्न बौद्ध पूजा विधि VIBHINNA BAUDDHA PUTA VIDHI

Run. No. 6907

Cat. No.

Micro. No.

Subject कर्मकाण्ड न पूजा विधि
Ritual Religious

Religion : Hindu / Buddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

नेपालभाषा निर्देश
new direction

Size in cms. 21.5 x 7

Folios 146 Lines (in a page) 6 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

मानदास सुगतदास

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Mandas Sugatadas

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / दृष्टीः स्वः कां चिन्ता नः ॥

registered at the Centre of MS.

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
ॐ नमः श्री वज्रसूक्तम् ॥ नमः गुरु मण्डला, सिद्धि तमके, मण्डल धिक्के, स्वान लने ॥
समाप्ति / colophon इति सिद्धि दाम विधि, धुम ॥ ... इति श्री नमः, एतत् एतत् समाप्त ॥

टिप्पणी : इस मासिकोपग्रन्थमा विषय सूची धनः २-५

Content list of this MS is also included.

Some of titles / ई ईर्ष्ये शब्दे —

1. पूजा विधि
2. दश कर्म किंजलि विधि
3. परिपूर्णा (प्रतीक्षा) कर्म विधि याद विधि
4. देवता भजना
5. दिवस दिन
6. आत कर्म
7. नाम स्मरण
8. पूजा प्रारम्भ, अन्त प्रारम्भ
9. उपनयन विधि
10. पूजा स्मरण विधि
11. ई ई परिपूर्णा

92. स्नान काल भावना

93. किंजलि भावना

94. किंजलि नाम भजना

95. होम भजना

96. पौष्टिक आदि भजना

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25



ॐ नमः ॥ श्रीगुरु सत्वाय ॥ ल क म गु न म गु न सि ध प्र क य क म गु न धि प्र क स्वा न
 त न ॥ सर्वदा प्रश्रय ॥ थ न नि द गु नि या य क न स सा त ना क म य ज्ञा थ न कि न
 त सा व ना ॥ ॥ ॥ ॐ ति नि गु न्य ना त क री रं जा त वि स्तु रं क वि धि व ड
 मि रं हं का न को लः ॥ त क क न द क वि लो नै स वं क वि क र व ड या को न त ड
 यं रं ग प्र जा ल वि ता न म ध ध क न १४ स ह का ला वि ध क नि ग म या रु मि वि ला
 य त न म धा ॐ ति डे व क स त्व वू या म य वा ह स नु सा क वि क या य न मा ला व ड ह
 ॐ नमः ॥

का प्र वि षा क म र्यो रु रे व काले ना जा ता ले र व प्र स ह रं ता क मा क
 अ क ल्या का न प्र क न म प्रो वि र्म य थ ४ क व प्र यां क व ॥ नि वि ल ज रा द य द
 दानि स यो क ह नि म न म य त न वा क य क य था ॥ दं श क र स ड क
 १५ ति म र्व स व रं ग क ति स प्र क त रं वि न नु ष षा डा स ना ट रु यं त
 क या स ग ता र्त्त ति त रा न द ग न ले ॥ नि क य १४ स म ड म र्व स स न वा
 य व मी ध प्रा ति सा त त व प्रो य ता र्त्त क न क यि स क न न रं क का दि ना रा ना

15

10

२
(दशकर्म किने विधि)

जकृतकलुना वज्रवज्रवृद्धा चितकनार्या वज्रमांकरद्वयं यश्चनयक
निष्ठाद्वयं यस्य तमिति गोसाक विजयिमूढया स्मारयुक्ता समायनः
सद्यकनार्या अ कृष्णायामो वा माया कयानखद्वारादक्षानो गङ्गा
त हं का नमस्त्वदि श्रवः स्वहृदत हं का सातु पुनः कत्रा सिः दश
दिग्विद्यानाकथ हं का नमस्त्रित दशकाध्वमस्यैयेत ग आक र्वेता धृ
य निनीरुत तात्रा मरुदत माय ॥ धनसि सनातयाय वसुका न
म

5

१५॥
यानवाय ॥ वक्रचन्दननयस गयस कायात्रनय ॥ ॥ यज्ञायामा धूमिमतस
मयश्च यन्याग ॥ यकयदात्रयज्ञा ॥ ॥ जायमरु ॥ **हं वज्रकीलस्य सदाति**
याचय हं ॥ १०८ ॥ धन ॥ धनुत्रिमरु नजयया हं वज्रनधिभं तय ग
धनीलेतायक ॥ मरु ॥ **हं धययादय २ सवेइका न हं रुद ॥ हं कीलस २**
सर्वेपाया न हं रुद ॥ हं वज्रकीलस वज्रध्वन आ क्षाययति स्यादा ॥ मायध्वन का
व किर्तयोर्योर्तियज्ञायामक ॥ धनय तानदडी मरुन वज्ञायामक ॥ मरुन तात

॥ ॥ धनयउयावः खाननितक ॥ ॥ निधाकजमान ऊवयमवमदिचकहाथ
आऊनयम ॥ ॥ यायायस्य दधधस्य धययाय ॥ याथनायाठनमथ ॥ रुगव
नअमूकसवे विद्याजाऊनमाऊनः ककुमिआमनार्थः यमिस्वकनूनामकः गिष्या
॥ मकस्याययमाकय ॥ ऊतायवः कतरकस्यरुगवनः यसादेककुमहसिः य
थाहिसवेवृद्धामुचिनम ॥ यमिस्विकाः मायादयायथाककौः नदलिस्वनि ॥ हाक
ना ॥ अगुस्वसननार्थः कुत्वाः ययादिका ॥ मानगुहानः अमकस्याथयः वाधिस
वयवृद्धय ॥ समत्वाहसकुपी वृद्धाऊगवकक्रियार्थः दातोवाधिः सत्वाधयावन्नाम
प्रका

कुदवना ॥ दवनाजाकयात्राचरुतासंवाधिसासिता ॥ ममनारित्ततासत्वा यकचिद
ऊवकव ॥ अमकाहमहावडी ॥ यमिस्वविधिसेयना ॥ कात्रिथामिऊगसद्ध यथागकु
यचात्रत ॥ अनुकम्या ॥ मूयादायः सद्धिथयत्र तमम ॥ सर्वस्याम्यकिथयासानिधं
ककुमदध ॥ ॥ धात्र ॥ उयदय ॥ अयमसह लंऊर्म सदलंजीविनंयम ॥ समयस
वेदवानां रुविगाहनसंमय ॥ अवेवंचरुविथामि वाधिविलंकवम ॥ गथागनाक
लात्यरिः ममायस्यानसंमय ॥ अगुमदिवसाहय यशमहयमूकत्र ॥ सीनियानारु

वेद्य सर्ववर्द्ध, निमन्त्रणं ॥ वज्रं कुम्भादिमूलाकाययाद्यादि, निजार्जुन ॥ ॥ ऊर्ध्वं व
 द्वां ॥ विम्वयुवमनरायतिश्चादजमद्विकारोऽथ ॥ द्वायासाकाकायया ॥ गमिधून, स्वय
 म्मज, लवङ्ग, जित्तो ॥ प्रकायया ॥ जातकडायात्रय, यक्षगध, यक्षमृत, यक्ष
 गरुः कुम्भनखस्त्रानया ॥ यथासाध्या ॥ मयमङ्गली सकलमत्तदित्तनस्य, वृद्ध
 स्यदाषत्रदित्तस्य विवृद्धवृद्ध ॥ यक्षगध, विरात्मकस्य, तमङ्गली रुद्रकुत, यक्ष
 मारिषक ॥ मथननात्रिचूदनयाय, सकिवाकन ॥ हर्षस्त्रानयाय ॥ यमङ्गली

वेदुवनजासूत्रयुक्तिरस्य, धर्मस्य तत्तत्कथितस्य निष्कर्षस्य ॥ ज्ञा कुरुयैयं निदिष्टस्य
निवात्मकस्य, तत्तत्कथितस्य यत्र मारिधक ॥ यथादि यानुमानं हत्यादि ॥
धनं नयावस्तुविध ॥ ४८ ॥ धर्मं गच्छ धर्मकवचमुखात् ॥ गान्धर्वक ॥ ग्रामा, ७
व्यादि, कुरु वयाय ॥ गच्छ दक्षाय, कुरु, वादा, दायरुदि, समर्प दाहाजयः
४८ ॥ ४८ ॥ दिवा वा समखात् ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ दिवा वा समखात् ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ दिवा वा समखात् ॥ ४८ ॥ ४८ ॥
युद्धादियुद्धा, नाया, धर्म, मु, ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥ ४८ ॥

धननिव वज्रकायाव विजयस ॥ ॥ **हं मातु स आ ४ क ४ स ॥** हं नूरात्रसगा कौ, मिखासो न
 यास ॥ **हं** क्रमया नन कास ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥ **हं** क्रम ॥
 ला वयाय ॥ धन वं जाक वन दवया कथिय अधिष नयाय ॥ ॥ **धन य खे व का न हा**
 धय जाया ॥ **अ** नन स ॥ **हं** का रिं हाय ॥ **हं** का रिं हाय ॥ **हं** का रिं हाय ॥ **हं** का रिं हाय ॥ **हं** का रिं हाय ॥
 नि धन का सि न का या ज ॥ म का न, ट का न हौ अ क न हा जा न हा जा न य ॥ **सूर्य** व धु र्व
 जडा, हवडा मिष निव व क स ला वय अज नन व न ॥ नू स गा कान अ जे नन न न ला वयाय

मरु ॥ ॥ **अ** ननी य न व व व य दान ती जिन स व ४ अ का र्वा व य गा ज म, य धा न का क स क
 न मि र्वा मरु थ ॥ **हं** व क २ स म क व क वि ग ध न खा हा ॥ अज नन वा न ॥ **हं** दि य व क व ह ॥
 जडा, हवडा मिषा सम न केल ॥ **हं** ध म व क व ह ॥ **हं** ध म व क व ह ॥ **हं** ध म व क व ह ॥
 वजया धू चि न व न ॥ मिषा नि य म ॥ **हं** आ ४ कान वज ह न व क क नू २ ह ॥
 हान व क अधिष न ज व थ ज न ॥ धरा न ॥ अ क या ख क न ॥ ॥ न न ४ गि र्वा म, स व स व द
 विला क य क या म य ॥ विष माला द या क व न गा क सि द न वी क ता ४ गा र्वा वि वि र ग न मि
 त माल क य नि स म क यानि मी सा वि का य अ ल ग क य म य वि व स न व क अ य वि

३. ना. के. सि. रु. न. आ. ग. न. ॥ अ. ध. स. र. सा. वि. का. थ. ध. ॥ म. न. ना. सी. वि. का. मा. अ. ग. व. न. य. ॥ क. न. त. ॥
न. रि. ॥ स. र्व. दि. ल. क. क. क. क. न. ॥ स. र्व. स. वा. श. न. द. य. व. क. वि. नि. या. श. ग. ल. क. मि. न. व. पु. न.
ग. थ. न. ॥ ॥ ध. न. मि. ना. क. ग. अ. ध. क. न. ॥ ध. न. या. न. वि. स. धि. यि. य. ठि. स. न. व. वा. क. ल. म.
आ. दि. क. य. ग. व. वि. स. ॥ वि. दा. न. वि. धि. ग. ॥ ध. न. न. न. ग. न. न. स. ध. न. क. मि. न. या.
व. वा. सा. ॥ त. य. ॥ व. ड. ॥ म. र्थ. ॥ सु. द. व. ता. ल. य. मि. स. द. क. म. ॥ द. य. ता. स. न. या. न. क. ॥
७. ॥ आ. व. म. न. य. ति. क. खा. ला. ॥ ना. या. य. क. ॥ ७. ॥ स. र्व. त. थ. ग. न. य. न. म. ध. या. न. ह. ॥ ७. ॥
म. वा. ला. ॥ ध. व. न. क. ॥ ३. ॥ ७. ॥ स. र्व. त. थ. ग. न. वि. का. म. न. अ. न. खा. ला. ॥ इ. द. ना. न. क. ना. वा.
स. मि. वा. नि. या. न. त. म. धि. का. म. न. ॥ डि. म. दि. म. न. ला. ॥ स. म. स. या. न. य. ला. स. दि. य. त. क. य. न. ॥ ७. ॥

॥ ७. ॥ स. र्व. त. थ. ग. न. य. न. म. ध. या. न. ह. ॥ ७. ॥

य. क. ॥ वा. वि. ॥ ग. ल. क. न. र. व. य. य. ॥ य. ला. ॥ यी. सु. व. जा. व. स. म. डा. क. न. ग. ना. क. ल. ॥
॥ ७. ॥ नि. जा. न. क. म. ॥ ॥ ध. न. लि. या. वा. ये. न. रा. व. ना. ॥ ॥ सु. द. दी. जा. न. ध. द. व. ता. ना. मा.
क. र्ज. वि. का. य. पु. दी. या. ॥ हं. मि. न. क. न. क. द. मि. ना. स. वा. का. हा. ध. क. य. त्रि. य. वि. रा. य.
य. न. ना. ग. ल. ॥ सु. द. द. ॥ या. ना. मा. क. र्ज. म. क. नि. अ. र्थ. द. व. ता. ह. द. य. पु. व. य. न. ॥ त. थ.
व. द. न. ध. ॥ दि. क. क. वा. ॥ आ. वा. ये. थ. व. ह. द. य. स. क. द. व. या. ना. मा. क. न. रा. व. य. ॥ आ. क. र्ज. य. ॥
मा. दि. नि. र्ज. क. ल. ॥ ग. न. ॥ ७. ॥ आ. व. हं. ॥ य. म. क. न. य. वा. म. क. य. क. ग. य. य. क. ग. क. ॥

॥ ७. ॥ नि. जा. न. क. म. ॥

न सख न खानयाय ॥ धन निन खाक चिक न राय दाहा न खान स म कु मिया ज धा
नायिल ॥ मनु ध ॥ ७ ॥ स व त आ ग न का या द ग ध न हं म्वा हा ॥ धन वि द च व ल
न य न खान ॥ १ ॥ धा ध ॥ य ४ म ल व ल य व ध म्म स क म्म व नो मू डा ज ह न
म दि न स्या द्वि य स क ॥ य १ ध न य न स्य ॥ रु व ३ ॥ य वि ना ग क थ ॥ क म ग ल वं रु
सा नि क र्ज न या य ॥ ३ ॥ स क न क च म न थ ॥ ७ ॥ व ज स ल व ॥ ४ ॥ य न य न च न न द व
त य क म नु ध ॥ ७ ॥ ४ ॥ कि य रु म न स्या हा ॥ ७ ॥ ४ ॥ मू क व ड ॥ ३ ॥ व ना म क ध म क ना

(नामा क)

म र व म् ४ ॥ द व या रु ना म रु न ॥ अ ना म रु य ॥ द व या न रु रु ॥ व रु ल न धि म द व या
म रु न जा य ॥ ३ ॥ या य रु जा य ॥ यी ना ॥ य रु ॥ ॥ क ये व ॥ ॥ व वि न म क न व वि दि
॥ ध न नि नि धि न का कि ॥ या ॥ म्ना न या य ॥ स ध थ ॥ गो व रु या वि स म्म वि न च स
दि न स्य म्मा य मि धि ॥ ४ ॥ य म रु ली दि न क र्ज य व मा धा मि धी ॥ क म रु ली रु द
कु म्मा नि क र्ज क या र्थ ॥ ४ ॥ ध न का रु या क व रु वि य म रु ॥ ७ ॥ दि य वा स म स्या हा ॥ ७
वा म्मा रा रु ध क व य व रु स्या हा ॥ स न रु य क द व ॥ व रु मा व या म न रु ली ना य ॥

८८
५५
५५

धननिः नानामिसाहस्र नकाय आदि नरुदा सक मदन सासिया कलिमनस्य
दिगताम नखनदासं आधनयायमकु ॥ ८ ॥ मसं सध निहं दृष्ट ॥ धन वद स
सो दगु प्रिमवातम नक मकु ॥ ९ ॥ समाधिहस सवो जिनपूरुयोद मय
स्वाहा ॥ १० ॥ स्वाहा ॥ ध मकुनगुकिने दाहा जय ॥ ११ ॥ सा व म ॥ १२ ॥
मिहसयामनो विधि ॥ १३ ॥ धनोत्रिजनक किया ॥ स्तानयाय ॥ यम गो न खादि

धन वद नाना मकहं नाय ॥ यतिवद दिगताम विषय ॥ नाना आरुवन वि
हं म गो रुसे दार धन स्वाहा ॥ धन सथा नम काजा नाकाडा ॥ नाना यजन दाक कया
जा दिगतायाडा दाहा यथ मखनख सदासं आधनयायमकु ॥ १४ ॥ नम ॥ मम
नवृद्धा नी डाह वसंद दस्वाहा ॥ १५ ॥ धन अ धि शानयाय ॥ धनो स ह
पायाध आर्ग सास्य नो वायक ॥ १६ ॥ को ॥ अ व म सी यु मिह स्वाहा ॥ नक मकु ॥ १७ ॥
दि या न स मा धि धन यो न न स्वाहा ॥ ध मकु न नका रुडा याय हायात्री ॥

मन्त्रोपासन

ॐ श्रीगुरुभक्त्युक्तिस्तुत्यानामिदं क॥ कुरु श्रुय॥ ॥ अथ यन्त्रकः सर्वललायः
 सात्रागय॥ धनस्योने क स्वा नमा नान् दवया भादभायि ह तय क॥ गुरुयः ॥ अथ यन्त्रकः
 धनलिकलुयूरुजो क्रिया॥ का ह वा न न ह विद्या डं दि य वा स न स्वाहा माया
 खलु ज न ल कि च क॥ १ यता मधि आदिं द्या सा स म र्क न या ड द व र्ण दि य ॥ यं
 ॥ यं ॥ सा ॥ मुक्ति ॥ ॥ धनस्य न पा स न ॥ ॥ धन उ य स य वि वि धि या य ॥ ॥ अथ यान्
 यदु स व द्द ली ला य य ॥ म कुरु य द य ॥ ॐ महा स ख व ऊ ऊ हूं वं हूं ॥ ४ स न त र्वा मि त

मन्त्रोपासन

गाय म ह व द व र त थ ग न त सि ह ले त य व क न ह दि गू ऊ ली व द्वा वि रु य य न ॥ य न ऊ
 जा मा न क स्वा न का य हा थ जा य न य जा न वा ग म थ थ ॥ म हा स ख म हा प्रा ग मि त्र म
 वं ऊ ग ल य नि स र्व स त्व म ना या यि स त्व ह दि ष्टि न ॥ स र्व स त्व यि ता य डं का मा
 ल य ह स म या शि म स र्वा ना न न भ ना थ का मा ल्प य नि य न य रा ध म प्र ना व ध
 वा ना ल स म य स म व म र्च नौ द यि रा रु य या स त्व स त्वा ना क नू र्व स र्व मि दि य न ॥ स्वा न या म
 य द व र्क हा न ॥ यं ॥ ना ॥ य ॥ मु ॥ न ॥ ॥ उ य न य वि दि ॥ ॥ न क र वृ ण क न म थ ॥

वासुदेवाय स्वात ॥ यमं गं न कमनयाति सर्वजं नीधुः प्रकाशं च सुवर्णलाभयं पुनः
नरायणाय नमः ॥ कल्याणं कानां कोऽप्यनया मगतं सत्कर्मकस्य नमः ॥
वक्तुं यत्र मां शिष्यं के ॥ तदनुहं का प्रसंगं वक्तुं प्रसादयित्वा ॥ नृणां नवा
प्रमत्तं ॥ ४ ॥ कामिदाययः ॥ योजो ॥ मखाहा राजायाय मन्त्रं नृपयथा प्रोवाहा रुहा
याय ॥ ५ ॥ सर्वो ववता विभाधनं सर्वज्ञं न वायानं रुदयं २ ॥ ६ ॥ स्वाहा ॥ नृपयथा प्रव
नमः ॥ ७ ॥ धर्मं गदयाधिकं नृप स्वाहा ॥ थनं सर्वज्ञं नृपयय ॥ जलं नृपं नमः ॥

तस्य जिनयस्य तस्य जिनयस्य सत्कृतं तावद्वचनं मदास्य विभक्तं यात्रं सत्कृतं जि
नस्य निस्य विभक्तं तमस्य वक्तुं यत्र मां शिष्यं के ॥ ८ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ ९ ॥
नृपं नमः मोदसा जय नृपं नमः कथायय नृपयय ॥ १० ॥ यत्र नृपयथा मगतं नृपयय ॥ ११ ॥
मगतं नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १२ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १३ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १४ ॥
नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १५ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १६ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १७ ॥
नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १८ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ १९ ॥ नृपयथा मगतं नृपयय ॥ २० ॥

॥
॥
॥
॥

वृक्षा ला धमय म कूट य ले कला रु वं ॥ ६ ॥ स र्व वृक्ष ज म सि म हा म कू टा सि म म ल
म ध कू ट य ति रु सा हा ॥ ७ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ थ का दि न वृक्ष स त्व मू दान थि य क ॥ थ न रा क र
जि न थ र वं ह न कं या य क म रु ॥ ८ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ९ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १० ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
जी अ रि धि के गं ॥ ११ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १२ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १३ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १४ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
य ला धं मु न ॥ ॥ १५ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १६ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १७ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १८ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
म ता नि धि न कू टा य म र्ज गं ॥ १९ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ २० ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ २१ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ २२ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥

प्रा त्र त य त्रि ना म न स म य स त्व नि धि य ॥ रा व ना ॥ न न ॥ १ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ २ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ३ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ४ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
रा व मु द्वा रं ॥ ५ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ६ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ७ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ८ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ ९ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १० ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
मि म रु ली वं का न ह म हा स म ड र म ल्हा यी त सी का न ह व रु प्र म् पी न मा रु द्ध म रु ली
न ड य त्रि स का न ह म ॥ ११ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १२ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १३ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १४ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १५ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
वृक्ष म र्ज गं ॥ १६ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १७ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १८ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ १९ ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥ २० ॥ वृक्ष म र्ज गं ॥
प्रा त्र कं य य अ इ वा य स धा न रि म् भा य अ इ वा य य हा मा स क न क न य य धं ॥

15

सकाम

३२

१३

॥ धनत्रि यात्रसु कसखडिधयन वाजय यात्रके धन नयाड ॥ यात्रसु खान
 कडात्रनयाव सावना ॥ ॥ भूत्याना कयुत्ता रिनी वाधिसैलैत्रिके खयुदसाव
 यित्वा नगहैसहद यम्भ ४ विजाकयं नानासाक वाकु रुनित्वा अगो कडु ३
 नैरावा तत्मादाकथ यादुली सी नैत्रिकयन ॥ वा यू य ना धं मु मं ॥
 धनदातसु स्वमिकसायाव ॥ ॥ कनसं दंड कोत्रया मनेरुननाय मेलांने
 योत्रिनि कजलसांने मोत्र संद नयुरे के वाकसे ॥ ॥ ६० र्येतासांने मंडा लादि ॥ ४६

७

नय आकृतयाव याउजादाकिम याउ द्रिया सावत्रय मनालयक सधाउचर्मन
 याव खोत्रिखय कनययाव न ॥ माधमध ॥ ॥ ६० र्येतासांने मंडा लादि ॥ ४६
 साकत्री गदित्वाया निनायानि तू द्वे कत्यय रीकिता यनशानेन सखेन
 यज्ञयायात्मकुसी कनसत्वेननार्थ कामाकत्यय त्रियत्रयक वाधन म
 निनि त्वयमकु ॥ ६० सखेवृद्धेयुतामनि मेलांने जाकुषवत्य कि २ ६० रुदसादा
 अत्रिनियावा कसिमनामाय ॥ ॥ धन कलसांनेमाय ॥ ६० तजहासेमयमनमयसो

5

10

15

कृतिरुजावागन युक्तिश्चादवधियक्ष्ण ॥ यू र्यं लो र्यं मु गताक्रय ॥ ॥ ॥
 युक्तिश्चादवधायक स्वातन्त्र्यहान्तय नावता ॥ ॥ ननु स्वस्वीज
 मयूखे सजात तथा वा ह्याधि मत्त्व विशाद वनी गले राग क्षमा यू विह दका
 माये जना सि रुके क बुज गा रु रा वा न मृ ति भा क मि हं तम गो नी रु व तु न ध व म
 रि व क रा य धा दि जा पो तु मा तु मा ला दि रे ॥ सं ख ले व न हा य ता ड व नी द का दि व

[illegible]

माननं मिना न धिर्धिसात्र ॥ ॥ अमर्यधनक दा...
ना क... स... क... क...
16 नादया यावर्ग... म...
रुव... अथ... क...
दानयनं मां किं युधि स्वस्ति श्री स...
स... य...

धिक नाथं त... म...
शा... ना...
गुहा... म...
य... ना...
न... ना...
वृद्ध...

16

सुखमममडा धन धनयस नामका मतां न अयय धानकी यरु यय
लीमसुनयाना कंम जाय ॥ ०० लाय गव जा धन ०० स न निरु स अयय क
विमजा अविंद तया धर्म ॥ ॥ क दा स क सान मून म सान
स शान सावासिद्ध नदत्र क म धान जाय गव वि ह क म यान उ
धन मरुध ०० हं हं वी न व वी हं हं ॥ धन ॥ ०० वि स के क र य वि

विमजा अविंद तया धर्म ॥ ॥ क दा स क सान मून म सान

विमजा अविंद तया धर्म ॥ ॥ क दा स क सान मून म सान

धनमा कि क प्रस रावना ॥ ०० व जा न ना क ०० हं ॥ क के २ म हा न क साना ॥ म द्य कि
निजल न य विराय ॥ पाठि निषु क व ड हं का न य नि नं गं य व गं गं ग्रा य न के याम
क हं न म ख विां य नं य वि म ह वि नं वा य व नि नं ड क न यि नं व मा न
मि नं म ध म वी गं गं अ ध य च ग य नं ज गं य कं य द म व सा न न हं य स
य वि नं स य य न य न द हं हं वा न य धा रु यं ना ज न गं गं गृ क व रूं मा नि क क
नं वि रा य धू य नि ज न वि धि धं य जा य च स न का क हं न व ज क म द य न

20

राय ४ र्यं कायन वायु मलुनं अं कायनो मिमलुनं र्यं कायन नमहा समुद्र
नमधायीनं कायनं अं कायनं मधीन नाह मलुनं न इयत्रि सं कायनं मधुन
नमयं समुद्रं विरु
राय ४॥ नममधुनं
न विरुवा ॥ ॥ विधिथां यजा ॥ धूय मिनाजन साहजगि यका दवताह ॥ न
मुजायातन मिनात्रथियक यक गुरुकान न कित्रिकन कं वजसध कायन

नमः शिवाय

थियकं मिनात्रस यजा ऊधं वा अकायनमव स्यादि वत्रि ॥ ॥ असुरा
दिनवज स्वाहा ॥ वज्रं सुयक ॥ ॥ ॥ कित्रिकन विधि ॥ ॥ यत्र यत्रि
हामस स्यान रुद्रा
मिदयानिमीदृष्टा ॥ ॥ वरुमं स्या वल ॥ ॥ ॥ नमो अनादि सै दि वद विम
शिवा महा ऊक् सत्या नृगुरुकायका मुक्तकर्म रं दृगं दही ॥ याति कुरु नृव
रुज ४ वज्रसुखास्ति मातात्र चद्रना दं स्वका ऊस ४ ॥ अकादिद वरु दृष्टान

१३

(मंथु) कय धुय कइव
 (युव) कय धुय कइव
 (दकि) कय धुय कइव
 (यकि) कय धुय कइव
 (डन) कय धुय कइव
 (अप्र) कय धुय कइव
 (वेनेने) कय धुय कइव
 (यान) कय धुय कइव
 (वैवै) कय धुय कइव

(यु) कय धुय कइव
 (नू) कय धुय कइव
 (क) कय धुय कइव
 (वि) कय धुय कइव
 (ता) कय धुय कइव
 (वे) कय धुय कइव
 (सा) कय धुय कइव
 (म) कय धुय कइव
 (ड) कय धुय कइव

(यि) कय धुय कइव
 (ह) कय धुय कइव
 (ता) कय धुय कइव
 (क) कय धुय कइव
 (अ) कय धुय कइव
 (र) कय धुय कइव
 (क) कय धुय कइव
 (ध) कय धुय कइव
 (वा) कय धुय कइव
 (पा) कय धुय कइव

(यु) कय धुय कइव
 (नू) कय धुय कइव
 (क) कय धुय कइव
 (वि) कय धुय कइव
 (ता) कय धुय कइव
 (वे) कय धुय कइव
 (सा) कय धुय कइव
 (म) कय धुय कइव
 (ड) कय धुय कइव

८

१४

(डि) कय धुय कइव
 (ने) कय धुय कइव
 (को) कय धुय कइव
 (वे) कय धुय कइव
 (वा) कय धुय कइव
 (लो) कय धुय कइव
 (वा) कय धुय कइव
 (म) कय धुय कइव
 (ग) कय धुय कइव
 (ड) कय धुय कइव

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

五

[illegible]

॥ अथ ॥

22

[illegible]

如夢草

[illegible]

下

[illegible]

卷之八

五

五言古詩

॥ दक्षिणार्वावा नदी नका ॥ क का नदि क ॥ दं जो प्रो हं ॥ नुक्ता म
विष्णु नाभय दृष्ट्या दा ॥ क यु या न स्य ॥ डं हं वा ना शी न जी
कं अलत व २ भी पुं हं दृष्ट्या दा ॥ आ वा द न क म ज म ह ॥ ड
हं वा क य व २ सा दा ॥ आ वा नि द व ॥ त वि न य लो य ल
व वा य य ल वा क यु ह न र ॥ ॥ ड य न जी म दा क
न वा वा हो म हित्वा स नी ॥ अ श मिल क न व ॥ व न
का या व म ड लो ॥ क न र ल ग न दा क ड ॥ अ स्य स्य दृ क न स
त ल र्ग व य स र ॥ न व वा र व य पी नो ॥ ड म नु क र वा र
य वा वा सो न न ॥ ॥ ॥

सूका

五

(ॐ) विजयं नमः ॥
 (ॐ) कृष्णं नमः ॥
 (ॐ) शिवं नमः ॥
 (ॐ) ब्रह्मा नमः ॥
 (ॐ) इन्द्रा नमः ॥
 (ॐ) अश्विनं नमः ॥
 (ॐ) कुम्भं नमः ॥

德福壽祿

[illegible]

10

15

00

၆၈

0

7

[illegible]

नक्रय २ गक्रय २ गखव सकावे नहं २ रुट स्वाहा ॥ ३० ॥ उं वसुधैवित्री वा नो विदु इव तस्य क
त्रिधी सर्वजकृत्वा श्रीयु आगच्छ २ ॐ मंत्रे विगृह्ण २ ख स्वाहि २ उं धानि निमम आनि कृ नू स्वति
स्वाहा ॥ ३१ ॥ उं अत्रयत्र मरु प्रायश्चमदिन दहेत वक्रा यत्र दका किम विप्रता गत्र
क्रुष्टा रुक्ताय म विवत्रय वादय वृद्धि सिद्धि कायं ॐ मंत्रे विगृह्ण २ ख स्वाहि २ म म सर्व सखो नात्र आनि यन्ति न शं वत्र वृष्टिं कृ नू उं आ ४ धी हं
स्वाहा ॥ ३२ ॥ १ उं शुक्र गज आक्र व जयोगी नी गी जी १ नू ३ ख ४ २ रु ३ अ इ म म ति धिं वृ य हूं वा

15

10

5

0

वलिष्टक १६ २ रुट साहा ॥ ४० ॥ उं न मा भ उ कृ त्रि व ज या नि नी न रु द ही र ग व ति स वी सा
हा ॥ घ त्रि यु त्रि न क र ग वा गि व न द न म रु य न त्र पि न म रु २ म म द वि मा गा न रु द कृ त्र ०० म
वा त्रि गृ कृ २ उं व ज या ग्रा ३ ३ रुट ३ साहा ॥ ४१ ॥ उं न व त्र पा मी कु म व ज न या नि नी उं आ १६
७२ उं यु ति दृ ०० म व त्रि किं ३ ३ रुट म म स र्व स त्वा नां च भ त्रि कृ त्र साहा ॥ ४२ ॥ १२
उं न मा १४ मी ग द य पा दा व ज या नी व ज श कि नी ०० मं व त्रि गृ कृ २ रु १४ म म सि धि य य दृ रु
ट साहा ॥ ४३ ॥ उं न मा र ग व ति दृ त्र म रु पु म रु स र्व वृ द्ध श कि नी य व ज व रु नी य व ज व
त्रा व नी य ०० मं व त्रि गृ कृ १ रु २ रु १६ १ म म वि नृ द वि रु कान र त्रि कृ त्र स फ पा गा त्र ग त स

कान्पादगगलंकृत्रसर्वगममभक्तिपुष्टिं ज्ञा व न न यु किं कृ त्र १ रुट साहा ॥ ४४ ॥ उं ३
जी ३ ३ रुट १ व लि न क पु ष्य क्रा म त्रा उ स व सि धि य य दृ म म वि नृ द वि रु कान र त्रि कृ त्र स फ
पा गा त्र ग त स पु न्पा द ग ल कृ त्र स र्व ज नी सा नि कृ त्र रुट साहा ॥ ४५ ॥ उं न मा र ग वा गि व ज न
भ त्री भू त्र क ज ग स रु य पु कृ ल न दि फ नं उं ग कि त्र त र या न का य न रु द ही व त्वा नां स
घ र १ उं आ १ क य १ व न द वा दि कं य वा न स म य सा नि कृ त्र ३ न व रा स यि ष्या मि थि यं ०० द
वा त्रि गृ कृ २ उं स न १ रु १ म नृ १ व नृ १ ध न १ वं ग १ वं ग प य १ पुं न य १ आ सा भ र ग व ति म हा
व ज रं भ त्री सि धि व द व ज या नि त्रा हा य य ति साहा ॥ ४६ ॥ उं स व मा न वि ध्वं स नि षु कृ व रु

15

10

5

चकटां उं आ ४ ऊं ॐ दं वलि गृह २ घाटय २ सव इहान् २ २ रुट्खाहा ॥ ४१ ॥ उं गव
 तियुक्ता नमि गामहा ॥ गय महा निनल कयं चय सुक रुक् ॐ दं वलि गृह २ जिघृ
 धिव २ पुहा वड निरु २ ल २ मधा वधनी भिनी २ वधिवधनी खोहा ॥ ४२ ॥ उं क नृ
 ३३ सुव कलिक नह विग्रह विवाह विघ्नाद नृद्विद २ सिद्ध २ गे २ य २ शनु सुक य २ ऊं ३ उं ३ ७३
 ह रुट्खाहा ॥ ४३ ॥ उं नमो गव गव गव नल नक नग य महा च व ज या न य म म ग क
 नां स व ग ग वि सं का च य २ मा द य २ व ज या ॥ न आ क म य २ य क व ध य ॥ आ प्रो व ध स व ग
 ग वि वं ध स वी न य मा न य २ य य ध प र्ण ध व त्रि गृह २ २ रुट्खाहा ॥ ४४ ॥ उं व का

य क य त्रि ज य २ वि ज य २ वि ज य वा हि नी म म स व ग ग जं क य २ सं क य २ म ध २ य म थ २
 मा स २ २ न क २ मा र ग व ति ॐ सं व त्रि गृह २ रं क २ य २ स क य २ य न स य वि धं स य
 स क व न २ वि त्रि २ व न २ व ल २ कि त्रि २ क न २ स व ग ग ग वा कि नी गु न पु ता रु खा हा ॥
 ४५ ॥ उं सि धि क त्रि वि ग म त्रि क नृ भ य ग व द द या य प न गुरु स्ता य ॐ सं व त्रि गृ
 दि त्वा प य क भ कि क नृ पा र्क नृ स व ति सि धि म य य द २ रुट्खाहा ॥ ४६ ॥ उं नम ४
 आ मा मा ये ३ ऊं ३ ॐ दं वलि गृह २ ने ला क भ ध य दा त्रि ड वि द त्रि धी स व इ ह य इ हान् २
 ज य २ आ ग द २ ग व ति म म द दि खा हा ॥ ४७ ॥ उं गुरु य ना ना ग व ति आ कि य वि व

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

15

10

5

कृष्णं कं मन्त्राय मीनय च का प्रथमा मिनि वृत्ता पुष्टि मर्दि मुर्दि च वं सौ मिर्दि कू
वृत्त मन्त्र मया शा

१६

१७

पार्य स मर्ति य निद स या मि का यै वा वा मि म न सा क क वा य थ म त न म नू मा
दया मि न दे व वा श्रो व त्रि न म या मि अ न न य स व नं उ जा मि ॥ १ ॥

व। नि प्र च च म

डं न मः या च लो का ये भा डं सा था। ग मा। म। डं न मः स न स न मः। डं न मः स न स न मः।
वा। ता। वृ क त्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा। डं डं गी स न मः स्या हा। डं
त्रि का ये न मः स्या हा। डं दि य न मः स्या हा। डं मि हा स नी य दं रु द्वा
हा। म च। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा।
हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा।
अ न मः स्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा। डं ह रु ह वा त्रि मि का ये न मः स्या हा।

0

CMS

5

10

15

20

25

[illegible]

ॐ क्लिकनागनाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ यमनागनाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कर्कशना
गनाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ जूनागनाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मलायमनागनाजाय
नमः स्वाहा ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ सम्यन्तयवनाजाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्त्रयवनाय
नमः स्वाहा ॥ ॐ मादन्तयवनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ दमकटयवनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ
द्विधाधानयवनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कनागयवनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ धायवनाय नमः स्वा
हा ॥ ॐ मादन्तयवनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ ॥ ॐ कदम्बकाय नमः स्वाहा ॥ ॐ दम

नकायनमः स्वाहा ॥ डं क च ओ व कायनमः स्वाहा ॥ डं यु क णि क कायनमः स्वाहा
 डं वृ त क कायनमः स्वाहा ॥ डं मृ ष क कायनमः स्वाहा ॥ डं इ म न क कायनमः स्वाहा
 डं व ह क कायनमः स्वाहा ॥ ८ ॥ डं क मा न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं स म र्गं ध
 न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं नृ द ग क्ष न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं त व र्गो न दी ये नमः
 स्वाहा ॥ डं च द रा ग न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं नृ क नान दी ये नमः स्वाहा ॥ डं नी च वा
 मा व र्गं न दी ये नमः स्वाहा ॥ डं ह म व नी न दी वा जा ये नमः स्वाहा ॥ ८ ॥

६ ॥ डं नृ नि यु र्गं न व र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं द्वि ती यां द म र्गो नि धिय नमः स्वाहा
 डं नृ को द र्गो डं नृ ति र्गो न का द र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं च रु र्गो द र्गो नि धिय
 नमः स्वाहा ॥ डं य ओ र्गो रु या द र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं अ रु र्गो अ मा र्गो
 च रु द र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं स क र्गो वृ र्गो मा र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥
 डं अ रु र्गो अ मा र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ ८ ॥ डं अ रु र्गो अ मा र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं अ मा र्गो
 नमः स्वाहा ॥ डं अ रु र्गो अ मा र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥ डं अ रु र्गो अ मा र्गो नि धिय नमः स्वाहा ॥

15

10

5

0

विधिवाहनायनमः स्वाहा ॥ ॐ सुकिं धजायतमः स्वाहा ॥ ॐ समवयुषायनमः स्वाहा ॥
हा ॥ ॐ मंदाकाजायतमः स्वाहा ॥ ॐ वज्रमहायतमः स्वाहा ॥ ॐ दौर्वाहा ॥
ॐ मंदाकाजायतमः स्वाहा ॥ ॐ काशीयहं हृदं स्वाहा ॥ ॐ कलानियहं हृदं स्वाहा ॥
ॐ मंदाकाजायतमः स्वाहा ॥ ॐ वज्रकहकायहं हृदं स्वाहा ॥ ॐ वज्र
नालीयहं हृदं स्वाहा ॥ ॐ वज्राटिनीयहं हृदं स्वाहा ॥ ॐ वज्रटानियहं हृदं स्वाहा ॥
ॐ कल्याणायनमः स्वाहा ॥ ॐ तीव्रवर्णायनमः स्वाहा ॥ ॐ वलुनीयनमः स्वाहा ॥

स्वाहा ॥ ॐ दौर्वाहायनमः स्वाहा ॥ ॐ आरहं हं हं स्वाहा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
हा ॥ ॐ सुमं सिंधिस्थेनमः स्वाहा ॥ ॐ सुमं सिंधिस्थेनमः स्वाहा ॥ ॐ सुमं सिंधिस्थेनमः स्वाहा ॥
ॐ दौर्वाहायनमः स्वाहा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

[illegible]

स्वाहा ॥ ॥ अतः प्रथमः अक्षरानमः यत्कनो कयुजतं ॥ अतः वलिध्वयत्रयः
 शिथिलः प्रथमः आयुजयं हाकं ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः
 ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः
 ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः
 ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः
 ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः
 ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः ॥ अतः वलिध्वयत्रयः

[illegible][illegible]

15

10

5

१२ (थनिधूनहाडा, धकात्रिजत्रजायसाकताकयजय, दवधायक, त्रजहायधुकात्रि, जत्रजहाय, धननमय) धननमय
म२समय२सान्ददान्क२समासाय२अनालंक२नसीधयश्वानमहाकज, निगोकननि
वोन, सद्येवदाना, धिस्माना, धिस्मिहस्वाहा, धान२, स्वधनयाय, ॥६॥ धमुधस्वाहा, याकाय
२२ ॥६॥ वज्ररुवायस्वाहा ॥ यत्र कयाय ॥६॥ वज्रजविज्रजस्वाहा ॥ वकनमधुन ॥६॥ वज्रधु
गकस्वाहा ॥ धामासधन ॥६॥ वज्रमूकनमाकातय२स्वाहा ॥ वाचिन ॥६॥ वज्रकलिक
दय२स्वाहा ॥ वाताकधन ॥६॥ धमधुगलस्वाहा ॥ आकनधन ॥६॥ धमधुगलस्वाहा
धिकय ॥६॥ धुयनिधित्वजस्वाहा ॥ आसनतय ॥ प्रकययधधन ॥६॥ वज्रधुयवन

सत्रयघाघयतिरुस्वाहा ॥ धायादिगुघ ॥६॥ वज्रप्रहंघाकमन ॥६॥ वज्रधुहं ॥ मध ॥६॥ सव
वाडिहं ॥ धुव ॥६॥ वज्रवजीधुगो ॥ दकि ॥६॥ धमवजीधु ॥ धाप्रि ॥६॥ कर्मवजीधु ॥ धन
॥६॥ वज्रसलहं ॥ धुवया मध ॥६॥ वज्रधनगो ॥ धुव ॥६॥ वज्रधमधु ॥६॥ दकि ॥६॥ वज्रक
मधुयधिम ॥६॥ वज्रमधु द ॥६॥ वज्र ॥६॥ वज्रगजधु ॥६॥ द ॥६॥ वज्रवाधु ॥६॥ वज्रमाधुस
य ॥६॥ वज्रधनधु ॥६॥ य ॥६॥ वज्रनजधु ॥६॥ द ॥६॥ वज्रकधुगो ॥६॥ ॥६॥ वज्रसलहं ॥६॥ यधिम ॥६॥ वज्र
धमधु ॥६॥ धु ॥६॥ वज्रगो ॥६॥ धु ॥६॥ वज्रधु ॥६॥ म ॥६॥ ॥६॥ वज्रसाधुगो ॥६॥ य ॥६॥ वज्रकर्मधु ॥६॥ धु

विहिनकयक वाकमरुयक यशय दानयुजायाय ॥ याइ ककु
 ठा सम्वन नाथा वनिरुडा जग्यकजन धाययय विनाय गुत्रमलु
 न यकेराययय सिधुन याथवय मलुन धिनक खाननन
 मलुन विमडन सववनि विनाययुजायाय विममाधिक
 माधिमामन धनमगि धायन जूमरुति ॥ विधिधं पूर्वदवायजा द
 वनाइति ऊधमो धमियतडाडा ॥ ॥ नकययदाम सवाजनयार्ध

विहिनकयक वाकमरुयक यशय दानयुजायाय ॥ याइ ककु
 ठा सम्वन नाथा वनिरुडा जग्यकजन धाययय विनाय गुत्रमलु
 न यकेराययय सिधुन याथवय मलुन धिनक खाननन
 मलुन विमडन सववनि विनाययुजायाय विममाधिक
 माधिमामन धनमगि धायन जूमरुति ॥ विधिधं पूर्वदवायजा द
 वनाइति ऊधमो धमियतडाडा ॥ ॥ नकययदाम सवाजनयार्ध

संकययतिस्वायाय नामक वृता वजनधिसजाय ॥ डंनमः सर्ववर्द्ध वाधिसुत्तर
 आः दीयहं र्व ॥ ॥ धनधनडाडा धम्मनियति कम्मो कं धननसं सकयय काक
 २ क्क धायक ॥ गुत्रमलु लदनक यशयययययक सकयययुजायायक धनि
 वाकायक ॥ धननन मलुन वायक दवस्वदाहाजय लक्रमलुज मुति ॥
 ययधस्वनमाभिवृध निधं भाकविवृद्धास्वर्यवृद्धास्ववृद्ध वाधनाथ सरयंत
 तदिधयधवतसंज्ञान कयागियजवययक इः वाकं कचिनातादगरासताय
 गुत्रविमनियकाजति केनमः ॥ ॥ नकययसस्यानयासजक्षन ॥ सर्वकका

मं हाथ जाऊ नयं श्री न॥ ॥ धनख कन॥ समन्वाह नहु मा दशास दिहू॥
 न कमन य कति के या जा॥ जिदिग मं श्री हाहा कया नव्या दि। न॥ ० ॥ सर्व वृद्धे वा
 भिसख सय य न ४१ म॥ वृत्त धम गन वज जल य क वि श्व क सा व सि ता थ॥
 समस्त वृद्धे वा धि स॥ ल क थ ग ग रा ह व न समस्त क थ ग न थ वा य न अ॥
 कारु न द र्म र व अ मि ता र अ भो य मि धि थ य नि हा क या॥ ॥ सर्व मूदा विद्या
 व व ता॥ ॥ सर्व सुद व या म डा विद्या या क र्म गु र्ना थ ध र्म॥ ॥ अ ह म म क न॥

अ म क ना मा द स स दि हू ४॥ ॥ ज य सि स थ व २ ना म क्रि थ हा व जि दि ग म थ हा व जि दि ग
 सी था ह न थ ग न या के॥ ॥ अ मि ना ग न थ य क थ न नी सर्व वृद्धे वा धि स त्वा नी॥ ॥ ना का
 न व ठ गु नि क र्म या व ह न व यी व गु त्रि या व स व क्क थ थि ह न थ ग न या थ व क॥
 वृत्त क वृद्धा थ व कारु॥ म क र्म स य क र्मि यो क थ य मा समस्त सत्व य नि य ना सर्व
 सत्व नि को र्मि नी व॥ ॥ ॥ न क र्म थ ध र्मि य मा ता नी ड ल य नि या क हू या त ड ल य नि या
 क थ य स स सत्व य नि म नू र्ण ड ध न या य या क अ र्थ न॥ ॥ सर्व य स म नू मा द

२ नञा
७३ दयामि विसत्रदमसदिक्रु अवेवलिक ॥ ॥ हसिक्रयधुगुसिधमैक्यतिसनध
यसयायाहसन रुमिससससुयायमायुव ॥ ॥ धर्मजकयवैलनाय दमसदिक्रसर्वव
दानी ॥ ॥ धगुसिपूथयायधैकैद यथमइ किदिगसथादतथाशकयनिसर्ननक
७४ श्रेययाग धर्मयावज का ॥ ॥ तरावकायचिलिखीकु कामानायाथयचिनि
वोनाय धानयैदसंध म ॥ ॥ तथगकन डमधुत्रियुथइधक कन्यमदुन
॥ धगुत्रिधमोयुध कृष्कलयति नलाहइयाय ॥ ॥ धनजयरातक ॥ न इइ ता
य अकत द्योहाखी ॥ ॥ डनभायुदाय कयुगालामिनहदयाय यवात्मासमचिक

य गुं धातुर्कमलय सत्तानी इ४ त्वकनुकानुलादिव्यराध्वजसाय दयमुर्जमी सर्वसत्ता
नी नलवायां सम्यकले क्रीवा भोयतिहानायनाय सगकवजकुयदा ४ दानयतिरत
मेनकयत्यरुदानकाय अर्थयुनिक्रु स्यादा ॥ ॥ ७४ ॥ नमससर्वसुयावाता जिन
धातुकलकुके सर्वव दानययथेयधर्मधलनभामुन ॥ ॥ वसितिवरातभा
कुतयदिकानी सर्वत धागनी ताफिधर्मतावर्जनी अंश ४ असा ससकनावा कि
भासति हज २ सस २ सवीन जाग दूधद्वमजक सज २ ससज २ ससंवा हस २ पुरागग
ममहावल सक २ ली कन २ व सागत्रयादा ॥ ॥ धनधर्मोयति धाहात्रिका तिया

क. ने सत्य कर्कट क. वायु वा कसिक. वरिध सर्व तातां ग नी मि मि खे नि ह्य ॥
 ॥ धनय ॥ यं वा य हा नय जा ॥ य या त्या स ॥ डं व ऊ व नू मय स्वाहा ॥ डं व नू क
 य स्वाहा ॥ डं य द्वा य स्वाहा ॥ डं क क का य स्वाहा ॥ डं वा स कि य स्वाहा ॥ डं म
 ख या ना य स्वाहा ॥ डं क क ति का य स्वाहा ॥ डं क सि का य स्वाहा ॥ डं म हा य म
 य स्वाहा ॥ ॥ यं य य हा नय जा ॥ धनय ॥ नू त नू ना य आ क क दा हा खी सा ३३
 न व न ल स ख स स ॥ डं व नू क ना य कि न क क क क ति क य म म हा य म स ख

या न क जि क व नू हा या न द व नी महा द व मि आ म मि मि वि द लु ध ल अ य नान ह
 नू र त थो य नो दा सा ग न महा सा ग न अ न व ये व न क महा व क आ का मि महा का
 मि स नू य महा स व रु दा हि क महा द ल मि मि २ महा मि मि २ आ ग क
 ग क महा ना ग मि धि य मि उ रू व दान य न रु रु रु स्वाहा ॥ धनय क च व
 मि ध म दा मि स र क नू य ॥ ॥ ना य थो न य यु ड मा न न य ना य नू क ४ म म य
 न ॥ क क न क ॥ डं व म मि मि ला क ध नो न च व क व क र म या मि मि मि म न क

15

10

5

0

98

यका यका मरुत अका यका राक्षसि स्नान पूजा धूप दीपने उद्यादिसर्वे
वयनू दकनाकरक यं ला धं मु काय ये धर्मो अका आमर मरु
धिन के स्वाननन क सतायुज यजाय नि या हाथ यजायाया द
कसा द्वय स्वस्ति वाकन वाया कलवकाय ॥ ॥ विसेखया नाय
ननरुनया वाया कज अय नयं यजा विधि डर्थ स्वानरुति नहाव वाया क
निजाया व या न रुत क धत र धत र धत र या क हा म उ र या न या न पूजा या

याचक सर्व हा मयन ॥ उ या क या य ॥ मन धिन क स्वाननन सग्न ननय
क दकनायुजा कना मे लुन वकाय ॥ वनि काय मरु कायुजा विधि समा
करा ॥ उ नमादी यं कलाय ॥ गुन मलुन द गु नि सग्नान पूजा वि
धि धं द व रु य जा या ही व मलु धि ना व उ व या वि व स दि व के न स्वा
न नाय आक न जा द हा हा जा उ य नि म रु नाय म भ ॥ ॥ रु रा व दो र्य क
न व रु धर्म वा र्ज न मा मु न या म रु या म्य ह ना थ सग्न क वि ज या य न रा व रु

CMS

5

10

15

20

25

15

10

त्या देवसत्त्वानां समूह्यादयः सर्वे न ह्यदभ्यासात्तानामकायः । विहाय या तामका
 यं गायत्र्या यदा वसति येषु यामुं यावत्पुण्यं कुरुते । तावदसिन्धुं यत्पुण्यं स्थापुमः
 १२ हासिंसां युग्मं । ससं द्यावाप्तिमत्त्वादिन ज्ञानाया यय वेदान् ॥ तासं
 नसमावासे यायात्वा यं गते सरुग वज्रयोत्पान्य विरुं सा निरुं कन
 सेहुवा प्रावश कुरुवा दग्धं मागहं नयवासा ॥ ॥ स्नानया सज्जन हान
 कायानमस्काजया य ॥ ७ नमामनसा दक्षा वजसा भाजसा रुध्र युत्साक

5

लस्या युधमा मोमकाः मूचरा ॥ स्नाननात दक्षनायुजा सग्न न न आगिवाद सा
 म्प्रादि सवज्जनादायय म् वी सज्जन ॥ ॥ ७० जयुग्मा द दी र्य कन निमनु भज
 त्रिषे ॥ ॥ धनज लसियुजा विधि र्मिन्ना सक् वाक्का इद नया
 डाद नय स्नामिनाम स्ना धरत्वा मियुजा डाद नय चरु नु निमित्ता र्थ
 धनजा युजा युजा ७ वाय गुन मनु न दगु नि कं नया स धनकाडा ॥ धिनु
 कुरु सख नदायाडा ॥ ७ धनया य मनु ॥ ७ नमा वृद्धाय तय धम ॥ निजानी

ac

मय क
मय × क
नय न डि

(क) क. य. क. शी
 (क) य. स. य. ना. य.
 (व) नि. र. श. थ. नि.
 (ज) य. ना. य. य. ज.
 इ. य. य. ॥ य. य. य.
 क. य. य. र. नि. य. य. य.
 ॥ य. य. य. य. य. य.
 य. य. य. य. य. य. य.
 य. य. य. य. य. य. य.

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम

51

10

71

निर्यवसिन्नवदकमात्र धर्तानि निर्यवसिन्नवदकमात्र धर्तानि निर्यवसिन्नवदकमात्र धर्तानि
 उदनेक जववनिविय जकवेययुजा धनिथासाय ऊयधमी अकाप्रम्व दकता
 के अयययावक गाय उव अवेकतगव अजसगव कासासाधन साइर निधयव सैवस
 तस नकवेयसर तितस वातासहायक कसकतस अजसखान विव जवतलय सव
 अज सवयुजा धनसात तने सता कय मलुन वनिन जकवेयन विव जत दवयास
 हुनयाखान कय कयवा तासहायागीतय मलुन वनिन कायाअनात कय कय यि
 ताजमस धनिज वजध कवेययुजा यनिकमन निवजागी कर दकनाद कय दकाज
 ययक यो कयजा कुवचिनयुजा दकनाद सधननिक कखानकाकाय स कयक विव निर्यथनि

निधयव

5

नेदि ध वा

लागना	गुममन	दधिज
स	नलहर	मामना
सर्वन	दधम	निधय
न	वकेगय	नखि
न	नयके	कस
लागमय	इर व	दय
अकार	मायन	अमाद
	कु	सिपदि
	य	

उदनेक जववनिविय जकवेययुजा धनिथासाय ऊयधमी अकाप्रम्व दकता
 के अयययावक गाय उव अवेकतगव अजसगव कासासाधन साइर निधयव सैवस
 तस नकवेयसर तितस वातासहायक कसकतस अजसखान विव जवतलय सव
 अज सवयुजा धनसात तने सता कय मलुन वनिन जकवेयन विव जत दवयास
 हुनयाखान कय कयवा तासहायागीतय मलुन वनिन कायाअनात कय कय यि
 ताजमस धनिज वजध कवेययुजा यनिकमन निवजागी कर दकनाद कय दकाज
 ययक यो कयजा कुवचिनयुजा दकनाद सधननिक कखानकाकाय स कयक विव निर्यथनि

निधयव

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

१२
क

गख्यः सख्यः धूमि युजा याचकः खानकः खानकः सख्यः धूमि निजा जीलः यथी वरुन यथी
लास्याः यथी जोदने मुक्तिः मज्जकयने ॥ धननिजि प्रथमः कथुनो मीतिना
याचः मुखा रुकि ॥ धन सिद्धय युजा याचकः भूयानि ना जीलः खानकः यथी वरु
नयनगंधः धनमधुन धनकः यथी कंधः कजमः खानः नैव यथी नैव यथी
जाः मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने मज्जकयने
मूखः दधुनो के कथकः अरुमा मज्जकयने मज्जकयने धूमि धून हागः इत्यदि रक्तः च यथी

5

जाः धननिजि अग्निमः खानकः खानकः सख्यः धूमि निजा जीलः यथी वरुन यथी
या धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः
भावनार्थः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः
कहा नरुमः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः
धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः
धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः
धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः धनमयनिः

15

10

5

0

॥ ३ ॥
॥ ४ ॥

धायेयकः न शिरसः उरुवृक्षस्यः नृप्येवासासहायकः ॥ मरु ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 कनकं नृप्येयकं १ रुद्र १ लाला ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 १ वन १ नृप्येयकं १ रुद्र १ लाला ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 मव नृप्येयकं १ रुद्र १ लाला ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 सव योयिकं माचनार्ध ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 योयिकं माचनार्ध ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

धनवतः ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 धनवतः ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 यथायथं नृप्येयकं १ रुद्र १ लाला ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 गुत्रियायमाचनार्ध ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 धनवतः ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥
 धनवतः ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

CMS

5

10

15

20

25

5

10

5

यतिमः पायनः गतिमदसत्तादः थदायमैरुक्तकतिमिर्मिः ऊयतिमः किथियागु
 १७ त्रिः संघर्षनं वो स्यादिकायमात्रधर्कः युनयानदतिरुक्ताकाकाका॥ ॥ संघर्षनं
 १८ त्रिये॥ ॥ सद्यदाय विनासाधयुगाधयवियत्रमहाकावृत्तिकावृत्तिका
 साधदहिगरोययवर्क॥ ॥ हनाथरुगुनः रुसद्यशयतिः ऊयतिमः
 यकेगरोययिसादिका रुनधर्ककाकाः किमिसाससुयायभायकयातः थदनात्रि
 लयविगयाययागोतिमिर्मिः हनाथरुगुनः रुसद्यसद्यः विनाययाथावित्रशयाने

ऊयतिमः धात्रिलसाधनयादः गथयकेनधनकायाआस्तः काकृग्वमागायागदस
 वादगुपिः धार्थिगुथनराः ऊयतिमः विदुनः धर्कः किमिसागदसाधनायानेः त्रिः
 कायमात्रधर्कः युनयातयतिमः याधनायास्यशदा॥ ॥ नृसद्यजिनरी
 जिनरीरुर्कः सर्वधर्कः कायवाक्यिरुर्कः महाकावृत्तिकावृत्तिका
 ॥ ॥ हनाथरुसद्यशयतिः गथरुनयवकायः दयायाभिजिनरुथगर्कः सत्य
 वातिमः उधलवाययातः निमिर्मिः यकेगरोयवियाजः वाहसाधनायातः साकाः

१ अष्टमालिकापूजा
२ वैष्णवपुष्पपूजा
३ यक्षोपवास
४ अष्टमालिकापूजा

इति पाथसेमायुः शिवायुः कृमायुः आसिवायुः सुगलनयकः
दकृतायुः जा कृमायुः कृमायुः सधननियकः सुमिनयः कृमायुः
पूजायुः यः दगुसजयकायः कृमायुः सधननियकः सुमिनयः
आयुः कायः सजयः कडगाः शाङ्कः कर्जवः शायः धु
नितिशवनकः कृदिशुभायुः ॥ ॥

१ अष्टमालिकापूजा ॥ शिवायुः कृमायुः सधननियकः सुमिनयः कृमायुः
दकृतायुः जा कृमायुः कृमायुः सधननियकः सुमिनयः कृमायुः
पूजायुः यः दगुसजयकायः कृमायुः सधननियकः सुमिनयः
आयुः कायः सजयः कडगाः शाङ्कः कर्जवः शायः धु
नितिशवनकः कृदिशुभायुः ॥ ॥

शिवायुः कृमायुः सधननियकः सुमिनयः कृमायुः

72

दानवियविधि॥

1

五十四

61

卷之六

15

10

5

0

हा॥ न॥ का॥ न॥ उ॥ डी॥ खा॥ ला॥ ला॥ स॥ च॥ क॥ उ॥ स॥ मा॥ धि॥ द॥ न॥ स॥ र्व॥ । न॥
 वृ॥ य॥ धि॥ त॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥ उ॥ आ॥ उ॥ व॥ उ॥ धि॥ न॥ का॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥ उ॥ ला॥ धि॥ खा॥ व॥ उ॥
 ६३ उ॥ न॥ स॥ क॥ डी॥ क॥ उ॥ र्व॥ अ॥ म॥ सि॥ त्र॥ कि॥ न॥ मा॥ म॥ न॥ न॥ का॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥
 या॥ स॥ न॥ वृ॥ मा॥ ॥ उ॥ । न॥ द॥ न॥ पा॥ न॥ न॥ वि॥ धि॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ य॥ कि॥ त्र॥ धि॥ य॥ दि॥
 ग॥ मा॥ या॥ ज॥ उ॥ दि॥ या॥ वा॥ स॥ म॥ खा॥ हा॥ ॥ आ॥ हा॥ र॥ धि॥ त्र॥ का॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ कि॥ सा॥ भू॥ व॥
 न॥ का॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥ उ॥ स॥ न॥ र॥ स॥ न॥ र॥ र्व॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥ ध॥ न॥ कि॥ ट॥ त॥ न॥ उ॥ कि॥ ॥ चि॥ त्र॥ य॥ जा॥

॥ स॥ ग॥ व॥ न॥ वि॥ य॥ ॥ सि॥ रु॥ न॥ न॥ य॥ ॥ ध॥ न॥ क॥ मा॥ सि॥ त्र॥ य॥ जा॥ न॥ य॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ क॥
 जा॥ सा॥ धि॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥ उ॥ न॥ म॥ र॥ स॥ म॥ क॥ वृ॥ द्वा॥ ला॥ ज॥ अ॥ ॥ य॥ त्र॥ न॥ का॥ व॥ र्व॥ द॥ द॥ खा॥ हा॥
 उ॥ आ॥ उ॥ व॥ खा॥ हा॥ ॥ ॥ दि॥ ग॥ मा॥ या॥ न॥ वा॥ न॥ य॥ ला॥ सि॥ च॥ क॥ ॥ उ॥ डी॥ ॥ खा॥ हा॥
 ॥ न॥ क॥ म॥ न॥ ॥ उ॥ द्वा॥ ॥ ध॥ य॥ न॥ म॥ खा॥ हा॥ ॥ अ॥ रु॥ ला॥ ॥ उ॥ या॥ ना॥ य॥ स॥ मा॥ न॥ ॥
 य॥ द॥ न॥ ॥ उ॥ द्वा॥ ना॥ य॥ या॥ ना॥ ॥ उ॥ या॥ ना॥ य॥ न॥ म॥ खा॥ हा॥ ॥ च॥ न॥ ॥ उ॥ दि॥ या॥ न॥ त॥
 स॥ मा॥ धि॥ न॥ य॥ न॥ न॥ खा॥ हा॥ ॥ का॥ न॥ ॥ रु॥ ज॥ य॥ न॥ क॥ क॥ र्व॥ क॥ रु॥ य॥ ॥ ॥

15

10

64

ग्वयम्भन लिथ ॥ गता कुरु य उ पाडा श्रुय ॥ कुरु ॥ ददा ददव
 लिथाय ॥ ॐ ति श्रु न पासेन विधि ॥ ॥ दगु विम क्रय ॥ प्रा कृ स ॥ स
 मया चक्र गत नयक कर्ष किय ॥ ॥ ॐ ति श्रु न पासेन
 विधि ॥ धू ॥ कुरु न क विधि ॥ ॥ ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 ययय शिव कुरु ॥ ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो

ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो

5

ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो

ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 स ॥ म न ॥ दिव्य ता विरा वा ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 य ॥ नि स मा धि ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 धन मला साम न ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 दन क ॥ मिथ्या रो द ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 धन सदा य ॥ मया या क ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो
 पा न ॥ मिथ्या रो द ॥ ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ महा गोप मर्ष कुरु कुरु ॥ कुरु ॥ दिव्य गुण्य ता विरा वा ॥ अन दो

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

धनविधिमाह॥३॥ ताय गुरुमधुन समाधि कुणयुजा कणयुजा धन
 मृदाजस्यसहस्र स्वस्तिकम तस्य गुरुमधुन दनकं विष्टा साय जंम नित्रा
 जस चजगाजवा मरुदहनमाय॥ कुणस ए नहाय॥ द्वादयातत्र
 ददिय॥ श्रीरवधु विमलविश्वक॥ कलस्य विनिधात॥ विष्टा मधिनः
 तासः सायनलो॥ मधिरुदकसाविश्वक॥ कनकसाय चतुर्गंधहसयुजाः
 यासः दहनमायक॥ मृदाजसहस्रमाः शुभिकायक॥ हंसयाः लोभदः मृदुवेना

5

धनविधिमाह॥३॥ ताय गुरुमधुन समाधि कुणयुजा कणयुजा धन
 मृदाजस्यसहस्र स्वस्तिकम तस्य गुरुमधुन दनकं विष्टा साय जंम नित्रा
 जस चजगाजवा मरुदहनमाय॥ कुणस ए नहाय॥ द्वादयातत्र
 ददिय॥ श्रीरवधु विमलविश्वक॥ कलस्य विनिधात॥ विष्टा मधिनः
 तासः सायनलो॥ मधिरुदकसाविश्वक॥ कनकसाय चतुर्गंधहसयुजाः
 यासः दहनमायक॥ मृदाजसहस्रमाः शुभिकायक॥ हंसयाः लोभदः मृदुवेना

15

10

३कमकाउ३२३

नाः धर्मः कर्ममयः ॥ ६ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
६० दशतुजा ॥ ७ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
त्रमः ॥ ८ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
गुग्निः ॥ ९ ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
ताहिः ॥ १० ॥ सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा

5

कः सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा
सां गुरुमद्यययै गगः समाधिः कुं मयुजा

0

CMS

5

10

15

20

25

गकै॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

15

10

5

20

समः समाधियायः कृष्णपूजाः देवापूजाः धर्ममूर्तिर्वाणि गुणमल्लुन
दनकैः मन्त्रिसकनयाचमः येन वाह विद्यः ससखानि च कोनदसीः सव
नामः सजागमः **॥** यति च सखानि सका गुणमाचरुः सजसुयतिः
सव **॥** धयनिः **॥** राजनः **॥** धनः **॥** सुखनामः **॥** दानि **॥** धनः **॥** जीवनः
यसद्विद्युनसत्रयहं साहा **॥** मगुलद्वयकवाय **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः
पूर्ययुगिहसाहा **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः

मंगलजायवजपूर्ययुगिहसाहा **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः
हा **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः
पूर्ययुगिहसाहा **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः
न **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः
युगिहसाहा **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः
नियवजपूर्ययुगिहसाहा **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः **॥** धनः

15

10

5

0

२३

मध्य अमृतं च मधुः कृदकोकरोनं गंधं यथा सुय दियं यासु वयं विदुः
 एतानि वदन्तीति रागमपठेत् कस्य कीदृशं गतं ॥ यिं किं वा कस्य मधुः कृदकोकरोनं ॥ दाः
 नयने नयनकस्य ॥ हा आचय नयनस्य वाचं नुमाचय नयने ॥ आदित्यस्य सुप्र
 युगि नयनस्य ॥ य ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 तत्रैरुसिर्न गतं ॥ य नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥

नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥
 नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥ नयनस्य सुप्र ॥

अमृतं च मधुः
 कृदकोकरोनं

नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र
 नयनस्य सुप्र

CMS

5

10

15

20

25

28

[illegible][illegible]

पनि क निमवि ॥

[illegible]

सो न स्यात्सिद्धं नृप्यग्रकाजमृषयित्वादि॥ ध्यानं नृप्यग्रकाजमृषयित्वादि॥

॥२॥

वकुलकं धुमध्वनहाह्वयि ॥

11

11

700

अनायरावदावा ॥

॥ स्वानुश्रुतं जगत्सर्वं नारायणाय नमः ॥

मङ्गलसिंहाका

समर्थविज्ञाधरा

॥ मृगशिरसाय नमः ॥ कनकमकरद्वय ॥

नमो नमो वाङ्माहा गृणित्रका॥ यक्षु हाय युजा वडलथिर्सा जाय मन्नु॥

॥ हुँ अ व ज क छ द ड य ता क थू धि नि ङु री स्वा दा ॥ ताय न्म कु न्म सै रु म मि तय

धनराव (मोति का पिता)

सिद्धननुमयः प्रथमस्तथा ननु का अत्र मुख्यस्थित्यादिर्धर्मो वादनं कुर्वन्
तयत् ॥ ॥ श्रुतेः पुनाय चैक्येण रावता ॥ ॥ विधिश्च न ॥ ०३६ ॥

२४-माहिती देव

मनउसकं मध्यं ब्रह्म इति शिखिनिधनं

वाम् उल्लेखः

जाकनैव नृपामवलसुशगूक्रत्रयायकादिमम

कथं वञ्चयिष्यामः। आह-
वञ्चयति ननु वाच्येन द्वे कृताकारादौ सङ्ख्यया विग्रहितैव

15

10

सुविश्वविनाशं सद्यः कुर्यात्कथं त्रिमासं तु नरकं यत्तं त्राभं निष्कृष्टं
 यत्किं ददुःखं कमलं नृभूते ॥ ६ ॥ यावत्कामं प्रयत्नात् ॥ ७ ॥ अथ ॥ अमुं
 स्वाहा ॥ ८ ॥ मन्त्रं न सांनिध्यात् कृतिविधिरिति ॥ ९ ॥

संयोगः

(संयोगः ॥ कर्मसं, सत्ता, कर्मकथनया तस्मात् कर्मसंज्ञा, कर्मसं, सत्ता, त्वं
 धिं, धृजा, धूनकाडा, कर्मधृजा, ध्वनं त्रिभिर्निमित्तमात्रेण, यान्, त्रिभासं दयस्वसि
 यो मं नय ॥ १ ॥ ॥ गुणमधुना दनकं, धूनकाडा, सिद्धाधियासन
 ध्वनं त्रिभिर्निमित्तं कर्मसं, मिमाया, दककं, प्रया, डीसायाककं, सती
 धयं सज्जयाककं, कर्मसं, त्वन, यागासं, सत्ता, कर्मयात्रकं, कडी, त्वज
 कथा, सिडानं, वृसायानं, सिद्धराय, रं तु न तु कर्तं, सद्यः सत्ताकयाय, कर्म

15

10

त्वायां यत्र क धृ न हा शं स ग्न न वि य व क जा य अ क्वा य वा मा दं ला य
 मि क क या न म धि क न डी ला य मि क क न री न व्या ज म म म धि का या शं द
 102 गु द थ डी द डी गु न या न वि य थू मि धृ न हा शं भ रू न नृ य स्वा न
 न न यि यि ना वा सि धु र्म क र्म क य व जा य थं यि ना क्वा डी प य
 क शू य आ सि वा वि स क न क मा जिय डी ॥ ॥ ॐ शि क स व च न वि धि स म
 व ह ॥ ॥

ॐ
 नमो
 भगवते
 नमः

5

ॐ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥
 नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥ नमो भगवते नमः ॥

0

CMS

5

10

15

20

25

०४
 सांननूकनसा लोक जयं यमिदि न स्य निनाम कस्य, नमस्तु न स दं तु न यमः
 रिषेके ॥ यमदिजा ॥ ॥ धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं
 साहा ॥ नदयि सा ॥ ॥ धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं
 यमादाय विद्य ॥ ॥ धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं
 साः शिषक कुरु सा ॥ ॥ धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं
 मनाकन ॥ ॥ धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं
 गदः ॥ ॥ धनं धनं धनं धनं धनं ॥ धनं धनं धनं धनं धनं

७५

[illegible]

15

10

वसा नः दया स दत्तं मां कर्षि हन दी कर्त्तुं भाग्यं विनिर्मुक्ता । नमि स द
 १०१ दिग्भक्त भक्तु मूर्ति नः कः सत्वा नः दत्तं ता गायस्मि च वः यै रू ती नि का वा
 ॐ विद्मो विद्मो नमः ॥ ॥ धन त्वं स गत ह प्र स, धन त्वं य व, धा स न या य ॥ ॐ
 आः सर्वं त था गत सधु धा स न स्वा हा ॥ इ इ ॥ ॐ आः सर्वं त था गत जि
 न्मा म त था नं स्वा हा ॥ ॥ य, गी गा त्र ॥ ॐ ति जा क मी ॥ ॥ धन त्वं स गत ॥
 हृ हृ दि का धो द त्वं ता नः ता मा क र्त्तुं जि ता य ॥ धृ न या गा य, स्वा हृ द या ता क र्त्तुं म
 नु नि धा य, द न ता हृ द यं धृ तं ॥ न धे रं स न नै स स ह न म दि र्द क ता ॥ ग्रा ॥

5

या, तां सा जे न ॥ य जे म ता दि न य ॥ ॥ ॐ आ, जि, र्व, हं ॥ ॥ न मा क र्त्तुं क
 न, ता हा स स्वा नं द य, ॐ सर्वं त था गत का य वि मा ध नं हं स्वा हा ॥ य जे व
 के न तं स ता न या य ॥ यः सत्वा नं त्वं न ध मी स क म्म व जी म डा हृ (न) स । ह
 य वि य स य स्या ॥ ॐ धा व न स र व इः र्व वि ता ग क स्य, त म ड स र व
 कु म्म कि क र्त्तुं न क ॥ ॐ ध म क न के न ॥ ॐ व ज स र्व आः ॥ ध न म
 सा त्वं त न न व क ॥ ॐ आः । त स क र्व व (न) स्वा हा ॥ ॐ आः नृ मू क क व ज ता म न थ
 गत र्वं त्वं व स ॥ द व या नृ ग्व ड स व जी क स धि यं क, द व या म नृ स ज य

तस्मान्नान्नोच न कुरु वज्र आह न पुनित्वा यायथा दुर्हं ज्ञोः वज्रोत्तम
 इति न कुरु त्वं हं स्वाहा ॥ १०८ ॥ यद्यस्मां वज्रं ददन्नामा उ सधियं
 उ सधुक्तिं युक्तव
 ॥ ॥ का तिलमधन विधि माह ॥ कृमायी सगु कान्तध
 वायुं मन्त्रं स
 धनयाय ॥ ॥ गृह्य मा क नृत्वा रि नै वा धि ति काल्म कं सि सि क र्थ ॥ का
 व ग ॥ गृह्य मा क नृत्वा रि नै वा धि ति काल्म क षू दान य त्य सि सि सि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्र बुद्धता युवता ॥ स चैव भगवता यत्र यत्र
॥ देवस्याधियति नृप ॥ पूर्व उग्रधर्म ॥ वरुणधियः ॥ आः हूँ ॥ जति
१०० नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्र बुद्धता युवता ॥ स चैव भगवता यत्र यत्र
धर्मगताः सितव ॥ मिदं उग्रता ॥ अत्र यावत्तु ॥ द्विकर्तृ कल्याणर
सि सर्वे भगवता ॥ ॥ ब्रह्म यज्ञे यज्ञा ॥ धनधृ ॥ विद्यायि सर्ववृक्षानः
वाधिसत्वा ॥ सर्वमाः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सानिधं कर्तुं महधः ॥ धनवजाद

भगवता वासुदेवाय नमः ॥ कसा जहया वय ॥ भगवत इविकाता जय ॥ साधुय ॥
वामि ॥ धनवानयाय ॥ ॐ नमः ॥ समरु वृक्षान्ती सवाधिन विष्णु कान्ती सर्व
विद्युहं नृप ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
य ॥ गवत्तु वरुण ॥ न ॥ डिया मरुतः वरुणधियः जाय ॥ धर्मरुतः ॥
धिया नयाय ॥ ॐ नमः ॥ वरुणधियः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
गिजका ॥ दाककाय ॥ धनकर्मकत्रमाया ॥ सधिनृप ॥ आत्मा सार्धकर्मिकमः
कुतत्रकायिय ॥ ॐ नमः ॥ यज्ञाया संधयकत्रमुजगाय ॥ स्वाननन ॥ ॐ नमः ॥ यन्मि

५

१०८

०

५

०

सिद्धयुजाविधिः ७ ॥ धृतिशायकवत् ॥ मलयनिजा रावना ॥ वामदकि
 दीकनयोश्च सूर्यव प्रिजनजवरुटिर्निधमत्वा डंक्रः ॥ नरस्वयकीनाडी
 यत्रुठजादीवारा विरुधीः काना निरवा मजमक्रवा कानं यनिनमं विवि
 ल्य ॥ जाय ॥ डं वज सलहं पुनः डं वजयकहं ॥ मसिमा रावना ॥ मसि
 के पुनः पुनः नामि कं वजकु यनिवमभनः नाम मन्त्रया विरा य ॥ युजाम
 उ ॥ डं वजधर्मडीः स्वाहा ॥ ॥ वाकक्र रावना ॥ राखमी ययजमा यवजी वि
 रित्य ॥ जाय ॥ डं धीः गुरुमि विजयमन्त्रा नटना यहा विनीडीः स्वाहा ॥

४६

हस्तयुजा मलयनि मसिमलाजाय वलिह वात विर्य वात्रवने पुन वलिह
 नयाव वाव कनय ॥ धृतिशायया ॥ ॥ ॥ सुगुलावन ॥ गुनू न ऊजमानः
 व रावना ॥ नना आत्मानं वजसत्वनर्थ उरु न साधक कथ कमे वजी नृप विविच
 ॥ ॥ धनसुताधिरु न ॥ डं वजधर्मकहं डं वजयकहं ॥ दयदं काहू मिकः
 ०० ल्ये लजसाधकस वक्र दयान्य सतमठ का नाथी आत्मना द क्रित्ये न कृक
 ॥ से चैयं दम मोनि थाय ॥ डं वजधर्ममां डं विनी क स डं अमी ॥ आ ॥ अ ॥ अ ॥ स्वाहा ॥
 सुनठल ॥ डं अन्धान्या नृगता सर्वधर्माः ॥ डं आ ॥ ॥ ॥ विना सतस्य रावना ॥ ननाहं

CMS

5

10

15

20

25

पञ्चमः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा कृतिविधिमाह ॥ यः ॥ यः कृत्वा सद्यः कथं स भक्त
मनः यः कृत्वा सद्यः कथं स भक्त मनः यः कृत्वा सद्यः कथं स भक्त

१३. कंजकं का लाधिहिकं, तजजाकार्यं, कौटुम्भिकं नित्यं तसत्त्विकं
 कुनीधुषासयकं, ६ मलासय तजसत्त्वांशकं, त्वामि विचित्र
 मि, सर्वं नथगं, ताधियगित्वेन तद्विचित्रं तद्विचित्रं ॥ अविभक्तं
 १२. विय, धुगुनि, तद्विचित्रं ॥ ॥ तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं
 य॥ ६ अविचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं
 गुकानयसंरुवं ॥ ॥ तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं तद्विचित्रं

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

तै मं से म व य पा ना न न म स्का न या द तथा स्व ना द न म ड त्य ति ई ल डि न
 क य नि स्त वि या ॥ ६ ॥ आ व ज्ञा द का रि वि य न न त र म ह ॥ ॥ थ के
 य ना ल य जा ॥ ॥ ॥ कि ड द का रि श क ॥ ॥ अ थ म
 ध म वा वि धि व ड थ
 त क या न मू क ना रि वि य न न त र म ह ॥ ॥ आ व ज्ञा द का रि वि य न न त र म ह ॥ ॥
 स ह व नू वि न स्त न त र म ह ॥ ॥ आ व ज्ञा द का रि वि य न न त र म ह ॥ ॥

14 असा न वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 पूयकः ॥ ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 मरुद यथैकता रुते ॥ धर्ममरुत्तं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 123 स्वायत्ता दंत्या ॥ आतः कृत्स्नयुजा यावत् अथ न मरुद का दू
 तं यथैकता जातः ॥ ॥ रुचयः ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न

अशिशिरो गं ॥ रुचयः ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 रुचयः ॥ ॥ रुचयः ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 रुचयः ॥ ॥ रुचयः ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 रुचयः ॥ ॥ रुचयः ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न
 रुचयः ॥ ॥ रुचयः ॥ वृषवजादि रुचय नित्यमानं मरुत्तं गीता वयसः ॥ मरुद न

15

10

॥ जि य नि प्र का रा य रा क त जा सी था क वि दू न ॥ ॥ रा त ना ॥ मि र्थी को
 य म रा नि मि ना रा म र्क स्त न स त्वा रि ने ॥ त को ऊ ता मि ना म र्क ति रि ने
 १२४ ॥ ॥ त जा वि य ॥ क ० क या न नू म न ॥ शि य क ॥ अ मा रि थि क
 त म सि वू ध त जा ॥ शि य क ॥ स स वू ध श य क या न अ मा व ड का व
 ॥ ड व जा रि थि क स स क ल म र्द ॥ स स र्ज त व न हा रा ॥ ड स व म र्श न क ली ॥
 आ का न क न क न म र्द वा म हा क न य द या र्क स म स सि य क ना व र्द थ का

5

आ का र्ज क र्ण ड थि कि रु या व रा द म हा क क न य द ना ना ॥ ०० मि त जा रि थि
 क ॥ ॥ अ अ य ना ॥ वा धि व र्ज न वू धा नी य ध द र्क म हा म र्द म मा थि
 ता न ना थ य स व जा द दा रि म ॥ वा धि व र्ज न वू धा नी य ध द र्क म
 हा म र्द म मा थि ना न य थ य स व जा द दा रि म ॥ वा धि व र्ज न वू धा नी
 त ना थ र्क म र्द म र्द थि य अ थ जि य नि स ॥ य धा रि थि क वि दू न ॥ रा त ना
 ॥ सि र्थ र्क का न ज त ना य न अ मा य सि धि स्त न स त्वा रि ने य धा य मा य

काला ॥ १२४ ॥

[illegible]

१६.
 (समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं
 वातु कं पुता सत्र वितायः तनमं नय सत्य महादीर्घं यदि यं वि
 चित्तं यं ॥ ॥ धूय निजा जनः अयात यनाय मुनि यदा ॥ ॥
 कं विमलादियता यता ॥ ॥ ननु विदुः सवत्सु दकु न अख न म्भ
 वदय कुरु सवत्सु यना रुवा सत्य सो पिता काश का न कु दानं य प्रकं कुरु
 नास न स नैवे पृथक् तात्किं सर्वं कुशागा कः सहा निनं स मय सत्य वी ला

(समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं)

७.
 कः ॥ तमं स मरुत सत्य सवत्सु दकु कि प्रमती न तनु राय ॥ धूय निजा
 जनः सोहा अगु न जा ॥ ॥ डं न मः सवत्सु दकु वि विमला निआः सवत्सु
 नाव निखा हा ॥ ॥ मरुः रु सत सः जय वा आया यः सो य मुनि ॥ ॥
 यदा ॥ ॥ ॥ वि विमला दियता यता ॥ ॥ कुरु सवत्सु ॥ ॥ ॥ तथै स काः
 प्रकमि हं अका न चै कं अ अत्य न निनं कं का न ज न ल क ल गं म का व ज
 म स य न म ग म का वा या रा का न कं जं गत्य च ष का न ज य क आ का न ज

(समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं)

(समानं काशा रात्र न कलं पुनः लिताः प्रकलं विधमात्मानं पुं)

(वक्राया विना वक्षसा कमधजुधना गुण वदसा ता विसा वा कि नमा मिह सवा हनी
(नृदासा स्वत वक्षसा विगुज वा वक्षजितो गोत नवा नुवदना नमा मिह सवा हनी ॥ ॥
(कामाजी नक वक्षसा सक्षि हस्त रयान का विनगा सोम्य वदना नमा मिह सवा
(वैष्णवी गम मवदना वक्षसा मेना हजा विनगा सोम्य वदना नमा मिह सवा हनी
(दक्षिण नक वक्षसा मासा कृणधना गुण यथा ज धाजा नमा मिह सवा हनी
(ज्वाया नी कृम वक्षसा वक्षसा गुण यथा ज धाजा नमा मिह सवा हनी
(यो मूला नक वक्षसा कक्षि कृया जक्षजितो कक्षी कृज नुया व नमा मिह सवा हनी
(महान नक वक्षसा कक्षि कृया जक्षजितो कक्षी कृज नुया व नमा मिह सवा हनी

[illegible]

15

10

5

धू न हाडा दवया के स्या न च का न न या न रा ए ना द धू या ॥ ६ ॥ स हा व
 मु हा स व ध मा स्व हा व गु ध दं गु त्या नी शुभ व ज स हा वा ल्म का दं ॥
 १३० र श वा न पी म रु प्रा ज र्य वि सा व य न वा वा म ध न नि व गु र्द व
 ज य र्क गो दा लि मु न नि न मा न भा र्क य स वि र्ज क मा नै य
 थु द न व स भा र्क य श य ता ह ता या क क स वि र्द ह म द र्क म रु धा र्क व मा नि
 ऊ र्ग या ॥ ॥ ६ ॥ र श वा न पी म रा व न रु हा ज क र्क स हा व गु हा ग धि ध

मा गु हा वा न य क र्क ॥ ॥ १ ॥ ग हा य म नू र्य वि सा व य न ॥ ६ ॥ ग रु म र्द व गु नै र्क
 ग र्क वि द्रु य ध मा स व न स य नि य र्क वा वि ता सि धि दा ता न मा मि ह स्व व र्क
 ॥ ६ ॥ ग र श वा न त ग र व रु मा र्क का वा य ॥ ॥ १ ॥ स हा व गु हा ग धि ध मा
 थु हा व गु ध र्क ॥ ६ ॥ जो र्क नी न व र्क क र्क न य न नि र्क र्क मू र्क ना
 र वि र्क मि र्क न ना र या य र्क र्क वि र्क व न य नि र्क म हा का न र्क व य न
 म न धू य मा य र्क ता न नि र्क सि ध य र्क र्क म हा न वि धि थि यू ज ध न र्क

15

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सिकर्मनयुजा धूनकाडा मधुनधियके किननके आसिवाग संघन
 यक सियुजा दक विथक दमुसमसकायक इमका मइ ॥ यकी यका
 ३२ हासयुजा विसजन ॥ थूतधूसं स अमिसवीठगु निसकनी
 गधो तस्वातिक सुगधर्ज हवनय थूतधून
 काडा यो जहाडा वायाडो नके ॥ ॥ सोदू केदू के। मने कादू केदू के सके के
 दू मसि सीने मजजा कथधूनकाडा मधुनधियके किनने या ० समायन आ
 सिवात दगुसकसकाय विसजन मधुन कत्रस आसिग्वधी विसजन आसि मजा
 ५५

सिवात दगुसकसकाय विसजन मधुन कत्रस आसिग्वधी विसजन आसि मजा ५५

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अस्मि यकान विधिमाद
 ॥ इति नित्यं त्रिसोधमधुन वाय ॥ वाक गम १ तन धर्म चक्र मूडा मधु
 नमादडा न भिजन ॥ यो दडा न म गोय मधुन स्या त्वन स वा क
 स मग् १ तय गा ६ ॥ यो दडा न म सिजन त्वन स न वज डा ६
 यन यक न द न य अस्मि त स ॥ ॥ रुवन न गा दा ख क न स त य स म
 न म न य की न य धा य न य ॥ ० वा य गुन मधुन स द न त वा ग वा सो
 अस्मि ग्वधी ड पा या का या धम स

अस्मि ग्वधी ड पा या का या धम स

15

10

१) अधतः सिधुतयः जलवनिविमज्जु विममाधिः कुं गयुजा दडाय
 जा॥ मधुसाधिवामन॥ ॥ धनमधुसलावना ॥ नत४ मधुल
 मधाः साधुमैम निः पूर्ववजया निः दकिनयया कीषः स
 १२३) विमः गीत्यवजु तहिनः उतत्र विजया कीषः मृगः गजाः
 वासिः नेमत्या विध्वंसकः जायुः कीः विकानिनिः ॥ गहनसिमावुय
 वचरुजाजः नर्गा कुभादिः कानेयः धूयादिदवमाय विदिताः प्रगत

5

२) विरावा ॥ वाद्यादिकम् निजाजं यत्रिकमय
 समयसत्तः सतसत्तः जावाहर्नः कुगुकमूडामरु नयुजामुकि ॥ यूर्य
 योस ॥ डंभाकमूनय हंसाहा ॥ डं वजयानय हंसाहा ॥ डं वजडोडः
 य हंसाहा ॥ म ॥ डं संववकुवा रुने हंसाहा ॥ डं विजया ॥ प्र
 य हंसाहा ॥ डं क जावा सित हंसाहा ॥ डं वज विध्वंसि न हंसा
 हा ॥ डं वज विकनिन हंसाहा ॥ डं सिमावुय हंसाहा ॥ ॥
 डं वजयास्य हंसाहा ॥ डं वज मायर्वा ॥ डं वज गोमर्जी ॥ डं वज नृत्यमू ॥ डं मे

जयन्त ॥ २

15

22

134

विद्वन्नायसाहा ॥ ॐ अभा द्यदगिनहं ॥ ॐ सदेवा दविधधनहं ॥ ॐ
 सचैवककमा निद्यानमनेहं ॥ ॐ गीधहसिनेहं ॥ ॐ सर्वगामहं ॥ ॐ ग
 गरीगर्जहं ॥ ॐ स्तनकेकुहं ॥ ॐ अमृतयुतहं ॥ ॐ वदुवदु
 रहं ॥ ॐ सदया नहं ॥ ॐ सोमोमयहं ॥ ॐ वज्रमरहं ॥ ॐ
 वधूधर्मा ॥ ॐ वजा वताकिर्कहं ॥ ॐ वज्रगखिज्ज ॥ ॐ वजाकूमजहं ॥ ॐ
 वज्रयासकी ॥ ॐ वज्रहोठव ॥ ॐ वजावधमहा ॥ यत्रयहात्रयूजा ॥ ॥

10

5

॥ अनावाकेनकाययाजगनय ॥ आपरुषाकयाय ॥
 सासा ॥ द्य ॥ सुनि ॥ धम ॥ अ ॥ सुनाजन ॥ अयुका ॥ यत्रका ॥ नाय ॥ अकन ॥
 वाहा ॥ स्वाजन ॥ अ ॥ सुनाजनमर्क ॥ ॥ दिदीगन ॥ अ ॥ मकस्य ॥ सर्वयावह ॥
 नरवजहंरुह ॥ ॥ ॐ सर्वयावहंरुहं ॥ विधधनेहंरुह ॥ ॐ ॥ सर्व
 कमावजहंरुह ॥ ॐ ॥ अ ॥ विधधनेनासयाव
 जनानिहंरुह ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ विधधसातनानिहंरुह ॥ ॐ ॥ कज ॥ २ध ॥ क ॥ २रुन
 २ ॥ आवनयानिहंरुह ॥ ॐ ॐ ॥ सज ॥ २य ॥ सज ॥ २ ॥ आवनयानिहंरुह ॥ ॐ ॐ ॐ

ॐ मन्त्रमहासुखसा
 ॐ सुसाधमं वक्रो

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

5

0

सर्वकामावयनविगुह्य सर्वधर्माविगुह्य साक्षात् ॥ इति ॥ इति मायौ
यतिरुक्तं सर्ववदनानि विनासनि रुतश्च मूकस्य वाचनानि हं
रुद ॥ धात्रि यत्र ॥ ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
सिक्तिनै नलमा ॥ सावित्रि यत्र ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
रुद ॥ यत्र गन्धि ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
त. गु. मिने ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥

इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
सायुधं यत्र ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
गन्धिदक ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
ना ॥ यत्र ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
यस्य ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
गन्धि ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥

CMS

5

10

15

20

25

द्वितीयः

पुस्तक वासो धाय साउ
पुस्तक बद्ध रक्षा दाय, सुवर्ग

The image shows a rectangular, aged, brown leather or parchment object, possibly a book cover or a small tablet. It features three circular diagrams drawn in dark ink. The leftmost circle contains a central cross-like shape with text inside, surrounded by a ring of text. The middle circle contains a central cross-like shape with text inside, surrounded by a ring of text. The rightmost circle contains a central cross-like shape with text inside, surrounded by a ring of text. The object shows signs of wear and discoloration.

[illegible]

15

10

180

सिद्धिमात्राजययैदयक, गुणरुजाडरुयाखडस, स्वविधायीशरय, गुणम
 दनदनक, वाजवियक, स्वाननत्यक, विसकन, धननित्राजय, गात्रजा, मनेदह
 भाव, सुरुनय, कसाहिविकविय, थकादिन, दिगताकाज, नडामन, लडाकाय, या
 कायकनय, धन, थदि नसिधप्रकायक, जवितननिचक, धनसयैमयुनस
 रुसकनसंनसं, अय विरयक, यकेयदोत्रयुजा, लासी, यंभ, वाद, छान, नव
 डंनभासगवय, आदित्याय, कासय, यनस, आदित्याय, गक, संकुनाय, अमून
 सहिताय, कक, नन, यमजाग, वृधक, कसमागमदशाय, जक, वास, नक, वा

5

स, वक, यय, वकगप्र, यहायविनाय, उत्रगत्रथमात्र, दव, दातव, क
 लवु, किलेनेवु, सहिताय, अयनय, शगवन, मन, जात, हना, धय, रुडंग
 दमन, नमभ, वनयप्रय, रुडंगकन, गव, यय, यय, दित, यहायवजित
 दतिगडरु, नांनमा सुनेयसे, नसयिनिकजा, रुवठगम, किचुकिचु
 डंन, दिवककवलीजना म, अययुनिक, साहा ॥ ॥ यकेयहायवजा, धन
 थकादिन, मयुनाधिशक, सात, ननक, विसकन, चनयुजा, दक, त, अ
 माकन, हयनिनि, जाय, विसकन, ॥ रुडि, सधुकायविधि, गुता ॥

कांति का गज

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15

10

5

0

CMs

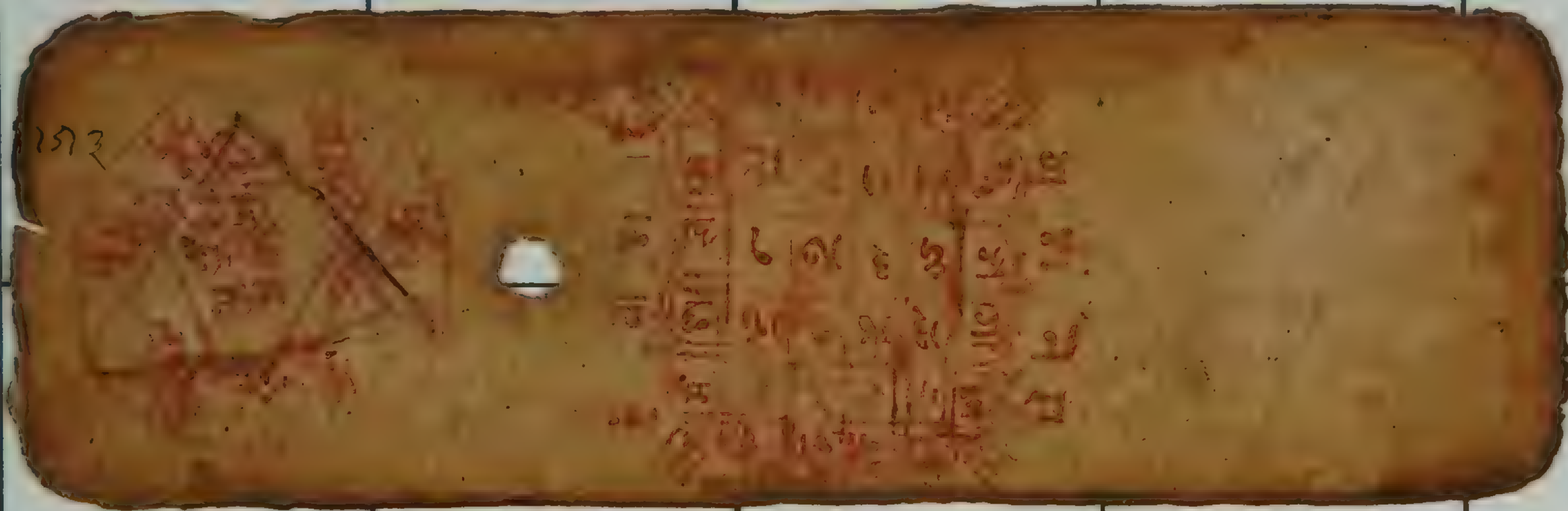
5

10

15

20

25



१५
१०
५
०
५
१०
१५
२०
२५
३०
३५
४०
४५
५०
५५
६०
६५
७०
७५
८०
८५
९०
९५
१००
१०५
११०
११५
१२०
१२५
१३०
१३५
१४०
१४५
१५०
१५५
१६०
१६५
१७०
१७५
१८०
१८५
१९०
१९५
२००
२०५
२१०
२१५
२२०
२२५
२३०
२३५
२४०
२४५
२५०
२५५
२६०
२६५
२७०
२७५
२८०
२८५
२९०
२९५
३००
३०५
३१०
३१५
३२०
३२५
३३०
३३५
३४०
३४५
३५०
३५५
३६०
३६५
३७०
३७५
३८०
३८५
३९०
३९५
४००
४०५
४१०
४१५
४२०
४२५
४३०
४३५
४४०
४४५
४५०
४५५
४६०
४६५
४७०
४७५
४८०
४८५
४९०
४९५
५००
५०५
५१०
५१५
५२०
५२५
५३०
५३५
५४०
५४५
५५०
५५५
५६०
५६५
५७०
५७५
५८०
५८५
५९०
५९५
६००
६०५
६१०
६१५
६२०
६२५
६३०
६३५
६४०
६४५
६५०
६५५
६६०
६६५
६७०
६७५
६८०
६८५
६९०
६९५
७००
७०५
७१०
७१५
७२०
७२५
७३०
७३५
७४०
७४५
७५०
७५५
७६०
७६५
७७०
७७५
७८०
७८५
७९०
७९५
८००
८०५
८१०
८१५
८२०
८२५
८३०
८३५
८४०
८४५
८५०
८५५
८६०
८६५
८७०
८७५
८८०
८८५
८९०
८९५
९००
९०५
९१०
९१५
९२०
९२५
९३०
९३५
९४०
९४५
९५०
९५५
९६०
९६५
९७०
९७५
९८०
९८५
९९०
९९५
१०००

संज्ञा नवग्रह नवग्रह संज्ञा

५
०
५
१०
१५
२०
२५
३०
३५
४०
४५
५०
५५
६०
६५
७०
७५
८०
८५
९०
९५
१००
१०५
११०
११५
१२०
१२५
१३०
१३५
१४०
१४५
१५०
१५५
१६०
१६५
१७०
१७५
१८०
१८५
१९०
१९५
२००
२०५
२१०
२१५
२२०
२२५
२३०
२३५
२४०
२४५
२५०
२५५
२६०
२६५
२७०
२७५
२८०
२८५
२९०
२९५
३००
३०५
३१०
३१५
३२०
३२५
३३०
३३५
३४०
३४५
३५०
३५५
३६०
३६५
३७०
३७५
३८०
३८५
३९०
३९५
४००
४०५
४१०
४१५
४२०
४२५
४३०
४३५
४४०
४४५
४५०
४५५
४६०
४६५
४७०
४७५
४८०
४८५
४९०
४९५
५००
५०५
५१०
५१५
५२०
५२५
५३०
५३५
५४०
५४५
५५०
५५५
५६०
५६५
५७०
५७५
५८०
५८५
५९०
५९५
६००
६०५
६१०
६१५
६२०
६२५
६३०
६३५
६४०
६४५
६५०
६५५
६६०
६६५
६७०
६७५
६८०
६८५
६९०
६९५
७००
७०५
७१०
७१५
७२०
७२५
७३०
७३५
७४०
७४५
७५०
७५५
७६०
७६५
७७०
७७५
७८०
७८५
७९०
७९५
८००
८०५
८१०
८१५
८२०
८२५
८३०
८३५
८४०
८४५
८५०
८५५
८६०
८६५
८७०
८७५
८८०
८८५
८९०
८९५
९००
९०५
९१०
९१५
९२०
९२५
९३०
९३५
९४०
९४५
९५०
९५५
९६०
९६५
९७०
९७५
९८०
९८५
९९०
९९५
१०००

१. यो न युगा मलका सदन मुदीत सहाके नवा भक्त मन्त्री जगोच गुप्तता
२. अ. राजगुप्तवट का लाकपा ना ४६ निहा संकात्रका पि ३५ ५५ मिथिमत
३. सकया मानना ४. कृपया ना यो भी था था गहका ड नवजमहिना
४. यान भी न य धीय ५. ॥ ६. न मयी गुह मा ह काय हि म न जगति
५. कासा विचु मि थ म मूडा निमूत जग जग की जल रुक सपा ह द ग म कू ट ६
६. म स व नी ल म पु रु कि ग रु रा धी व मा ना स व द धा नि मा मि ॥ ७. गुह या हि ८

१ सा २

(पूर्व लकार व पु ज्ञा ली यो ना अ का अ जि ह्मं म क ४ यो ना यु या ग अ सि नां ग
रु ज वः ॥ ता ग क म अ रु कः ॥ म हा य प्रो ना न यो क त नि अ धि न् वि रु य
के य ना म्ना ॥ ॥ य कि प द न द्या म्नां त्रि वि द्य त्र य द श क ॥

॥ अथ विष्णुः । नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धृत्व शास्त्रिणः कर्म कर्म चतुर्थी नथ वसुध्वायु स्थाने

त्रयस्त्री, ब्रह्मस्त्री, कुमुदिक, धन, कामना, चक्र, कला, म, व, जि, ध, ॥

(॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥) नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

पुः३॥ दायुवा मम इदं मम दिक् ॥ वायु किं मम तदा वायु उच्यते ॥

वनिमिन्दुलाङ्गे नमः सकलार्थपूज्याय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

A horizontal ruler with markings at 5, 10, and 15. The ruler is positioned above the text, with the number 5 aligned with the start of the first line of text, 10 aligned with the start of the second line, and 15 aligned with the start of the third line.

उरुजगन्नाथो जीग। कंकात्रिजि। कदलपीरु। कोलाशिनि। चयु
रुनवजकः। पुमोगुरुकः। अरुवाजनागः। वी। नमीम। दसम्या। हिर
याया। सामादि। लयु। ॥ धूय। अगु। कसु। कय
वृत्त। यालु। ली। गयु। चडासी। जिबसी। वरु। नायु। ह
गुति। या। क। किकि। ज। वनमधि। सि। वा। ध्व। य। लमध्व
॥

नेत्रिखवेष्ट। विग्यामा। नकात्रविजं। नरुसाधियति। जयकुडम
उरुजवः। रुष्टः। यक्रीठिष्टक। नोना। नेनकुः। यम। सात्रः। वरुध्व
वादसाहावृत्र। दन। पूजयुन॥ ॥ धूय। अगुत्र। सिद्धास
कमुनि। चरु। वन। वरुमं। वरु। वा। ह। सी। म। ससी। ध्व। सी। कस
मा। शतिहो। उगुति। जगमधि। मीसी। या। ध्व। कयरा। ठा। सि। वा। कसि
धनिध॥ ॥

(दकिन, वा ला हि ॥ अ का १ न का अ वि ३ ॥ य म न का म क ३ ॥ क वा न र स व ४ ॥ च
 न व ५ ॥ ना ग क सि क ३ नी न ३ व सि ५ क य ना को ॥ य के म्या गु या द म्या गु नु वा
 प्र वा धु ३ ॥ ॥ धू य न कि गि न ऊ ना मा स च न कू कू म अ क न
 ड न य न य व स का ह स्त्री सि स्त्री अ स्त्री जि हा कू न स्त्री ध न उ
 गु नि य के य ना मा स स न भि ३ गु न ना सि क ड वा ध ॥ ॥

(ग द स या ॥ धू य क नु
 य गु च न श्री ख न व स
 मा य स्त्री मा य आ र न नि
 स्त्री वा हा न स्त्री
 गु गु नि हा अ न
 ना ना भ न सी स न न म
 धि न ड वा म धि अ ३
 ध ॥ ॥

(र स व या ॥ धू य न कि
 च न अ गु न स्त्री सा क आ
 रु न नि च न हा क उ
 गु नि आ य ना या न स
 म्या च
 (य न ड सा या गि नि सि हि सा क अ व रु न स्त्री
 धू क नू रु रु ट म्या हा ॥

(धू य वा स च न न
 स गी ध व स ना य
 स्त्री सा य वा हा उ गु
 नि स व रु क न ड स
 ना धि म धि क ड धि
 ॥

ननु यथा विष्णुर्लोकं गच्छति
 तथैवासादादाका भोक्ता
 भूगोवासा ननु यमि
 नो धोर्द्वयं धर्मं धृष्टं धी
 योऽथाना न संशयः स कर्म
 न इव उवाच स भूक्तमा
 नः अत्र संशयः स्यात्तम
 ता उवाच स संशयः स्यात्तम
 भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु
 ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु

भूक्तिः भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा

ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा
 नो ननु भूक्तमा नो ननु भूक्तमा

[illegible][illegible]

१ यानेधधनविधिपु०
 २ प्रथिमायविधिपु० १०
 ३ त्रुत्तमानविधिपु० १०
 ४ प्रथेभारुयकविधिपु०
 ५ १० २०
 ६ मन्त्रादिपुतावभापु०
 ७ १० २० २०
 ८ अर्जतावभापु० १२०
 ९ पुतावभापु० १२०
 १० विस्वकमाविधिपु० १०
 ११ अस्मिन्निभविधिपु० १०
 १२ अस्मिन्निभविधिपु० १०
 १३ १० २०
 १४ अर्जतावभापु० १०
 १५ अर्जतावभापु० १०
 १६ अर्जतावभापु० १०
 १७ अर्जतावभापु० १०
 १८ अर्जतावभापु० १०
 १९ अर्जतावभापु० १०
 २० अर्जतावभापु० १०

१ पुताविधि ॥ पु०
 २ दमकर्मकिनेविधि ॥
 ३ यदिस्तकर्मथयीव
 ४ धि ॥ ६
 ५ अस्तकदवनातावना
 ६ पु० ३
 ७ यदिस्तकर्मपु० ६
 ८ अस्तकर्मपु० ७
 ९ अस्तकर्मपु० ८
 १० अस्तकर्मपु० ९
 ११ अस्तकर्मपु० १०
 १२ अस्तकर्मपु० ११
 १३ अस्तकर्मपु० १२
 १४ अस्तकर्मपु० १३
 १५ अस्तकर्मपु० १४
 १६ अस्तकर्मपु० १५
 १७ अस्तकर्मपु० १६
 १८ अस्तकर्मपु० १७
 १९ अस्तकर्मपु० १८
 २० अस्तकर्मपु० १९

मन्त्रं ॥ नमस्तुते ॥
विषयि ॥ मनस्य ॥ छन्दः ॥
नामिके ॥ रुतमीवि ॥
माशुदले ॥ श्वानासानि
सिंधि ॥ भुक्तम्यान ॥
रुगसि श्वाना ॥ जितरुत ॥
प्रति लि ॥ नायय ॥ गति
दधनडाह ॥ जना ॥ जना ॥
यवा कि ॥ मिम ॥
समूद्ररुत ॥ पानरुत ॥
निनस निनशजसा भामन
रुज ॥ जितनशनसा वा
करुत ॥ भुक्तम्यान ॥
जस कि ॥ ज्ञायामया ॥
उसा रुस वा कि ना गमान
या ॥ तुमामि ॥ यस्तुत ॥
जस वा ॥
कैकम ॥ समस ॥ यस्तुत ॥
नवहमस ॥ १०
जितरुत ॥ यन ॥ ३०
भुक्तम्यान ॥ १० समस

मानदास सुगत दासदा संकलन
बाशा त्क ॥ यथात उपहार !
मानदास सुगत दासदा संकलन
बाशा त्क ॥ यथात उपहार !

अरुममियद्याय॥
पु॥ श्रीवक्तुसूर्य
द॥ यम
प॥ श्रीवक्तु
उ॥ कनक
अ॥ वामल
सि॥ मस्तु
वा॥ मस्तु
ॐ॥ वक्तु

